मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 20 फरवरी 2026

संवत 2082, फाल्गुन शुक्ल 3 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 160 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 न्याय बने विकास की कसौटी

बेटे की जिंदगी का पहला शो नहीं देख पाए अक्षय कुमार के माता-विता 6

झारखंड विधानसभा बजट सत्र

महिला दिवस पर सहिया बहनों को मिलेगा एकमुश्त 24 हजार : इरफान अंसारी

भुगतान की प्रक्रिया और तिथि को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां होगीं तेज

मेट्रो रेज

रांची : राजधानी रांची में चल रहे झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने घोषणा की कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राज्य की साहिया बहनों को एक वर्ष का बकाया मानदेय एकमुश्त 24,000 रुपये के रूप में भुगतान किया जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने यह घोषणा सदन में मांडू विधायक निर्मल महतो द्वारा उठाए गए सवालों के

जवाब में की।

विधानसभा में उठा भुगतान का मुद्दा: निर्मल महतो ने सदन में कहा कि राज्य की साहिया बहनें लंबे समय से अपने मानदेय के भुगतान को लेकर परेशान हैं और विधानसभा के बाहर धरना देने को मजबूर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि साहिया बहनों को प्रति माह मिलने वाला भुगतान समय पर नहीं हो रहा है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। उन्होंने सरकार से इस मामले में शीघ्र संज्ञान लेने और बकाया राशि का भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की।

सरकार का आश्वासन: स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने जवाब देते हुए कहा कि सरकार साहिया बहनों की समस्याओं को गंभीरता से ले रही है। उन्होंने बताया कि महिला दिवस के दिन एक साल का मानदेय एकमुश्त 24 हजार रुपये के रूप में देने की तैयारी की जा रही है, ताकि लंबित भुगतान का समाधान किया जा सके। मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार स्वास्थ्य व्यवस्था में जमीनी स्तर पर कार्य कर रही साहिया बहनों के योगदान को सम्मान देती है और उनके हितों की अनदेखी नहीं की जाएगी।

साहिया बहनों की भूमिका: साहिया बहनें ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ मानी जाती हैं। वे टीकाकरण, प्रसव पूर्व देखभाल, पोषण अभियान और विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभाती हैं। ऐसे में उनके मानदेय से जुड़ा मामला सदन में गंभीर चर्चा का विषय बना रहा।

वित्त मंत्री ने पेश किया 6450 करोड़ का तृतीय अनुपूरक बजट

रांची: झारखंड विधानसभा बजट सत्र के तीसरे दिन शून्यकाल में शुक्रवार को कई अहम जनसरोकार से जुड़े मुद्दे जोरदार तरीके से उठाए गए। सदन में जहां एक ओर वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने 6450 करोड़ रुपये का तृतीय अनुपूरक बजट पेश किया। वहीं, विपक्ष और सत्तापक्ष के विधायकों ने छात्रों, रैयतों और आम जनता से जुड़े विषयों पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया।

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर द्वारा प्रस्तुत 6450 करोड़ रुपये के तृतीय अनुपूरक बजट में विभिन्न विभागों की योजनाओं और विकास कार्यों के लिए अतिरिक्त राशि का प्रावधान किया गया है। सरकार ने इसे विकास कार्यों को गति देने वाला कदम बताया।

विस: राज्य में प्रवासी मजदूर 15 लाख, निबंधन सिर्फ 2.29 लाख क्यों : जयराम महतो

रांची: झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन सदन में प्रवासी मजदूरों का मुद्दा प्रमुखता से उठा। डुमरी विधायक जयराम महतो ने राज्य में प्रवासी मजदूरों की संख्या और उनके निबंधन को लेकर सरकार से सवाल किया। उन्होंने कहा कि झारखंड में लगभग 15 लाख प्रवासी मजदूर हैं, लेकिन अब तक केवल 2.29 लाख मजदूरों का ही निबंधन हुआ है। ऐसी स्थिति में बड़ी संख्या में मजदूर सरकारी योजनाओं और आपदा के समय मिलने वाली सहायता से वंचित रह सकते हैं। विधायक जयराम महतो ने सरकार से पूछा कि जब राज्य के 80 से 85 प्रतिशत प्रवासी मजदूरों का निबंधन ही नहीं हुआ है, तो जरूरत पड़ने पर उन्हें सरकारी सहायता कैसे उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने सरकार से स्पष्ट कार्ययोजना और ठोस तैयारी की जानकारी देने की मांग की। इस पर श्रम मंत्री संजय यादव ने सदन को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार प्रवासी मजदूरों के निबंधन को लेकर गंभीर है और इस दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मजदूरों और उनके परिवारों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है। यदि राज्य के किसी मजदूर के साथ देश या विदेश में कोई घटना घटती है, तो सरकार हर संभव सहायता प्रदान करती है।

जेपीएससी सिविल सेवा संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2025

अभ्यर्थियों को राहत, फॉर्म भरने की मिली छूट

रांची: झारखंड संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा 2025 में अभ्यर्थियों को अधिकतम आयु सीमा में छूट देने से जुड़े मामले में झारखंड हाई कोर्ट से अभ्यर्थियों को अंतरिम राहत मिली है। न्यायमूर्ति आनंद सेन की अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए अभ्यर्थियों को राहत प्रदान की है।

कोर्ट ने आदेश दिया है कि संबंधित अभ्यर्थी झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की ओर से आयोजित सिविल सेवा परीक्षा 2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र भर सकते हैं और आयोग उनके आवेदन को स्वीकार करेगा। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि अभ्यर्थियों को आवेदन भरने से वंचित नहीं किया जाएगा।

क्या है मामला? : मामले में संगीता कुमारी, दीपक कुमार समेत कुल 264 याचिकाएं दायर की गई हैं। याचिकाकर्ताओं ने अधिकतम आयु सीमा में छूट देने की मांग को लेकर हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उनका कहना है कि पूर्व में आयोजित सिविल सेवा परीक्षाओं में अभ्यर्थियों को अधिकतम आयु सीमा में छूट दी गई थी। वर्ष 2017 में भी आयु सीमा में विशेष प्रावधान लागू किया गया था।

याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने कोर्ट को बताया कि पिछली परीक्षाओं में असाधारण परिस्थितियों को देखते हुए अभ्यर्थियों को राहत दी गई थी। ऐसे में इस बार भी समान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आयु सीमा में छूट प्रदान की जानी चाहिए। कोर्ट का निर्देश: सुनवाई के दौरान कोर्ट ने अंतरिम राहत देते हुए निर्देश दिया कि अभ्यर्थी आज ही ऑनलाइन आवेदन भरें और जेपीएससी उसे स्वीकार करे। हालांकि, अंतिम निर्णय मामले की अगली सुनवाई के बाद लिया जाएगा।

आगे की स्थिति: मामले की अगली सुनवाई निर्धारित तिथि पर होगी, जिसमें राज्य सरकार और आयोग की ओर से जवाब दाखिल किया जाएगा। अंतिम निर्णय के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि अभ्यर्थियों को स्थायी रूप से आयु सीमा में छूट मिलेगी या नहीं। फिलहाल, कोर्ट के इस अंतरिम आदेश से उन सैकड़ों अभ्यर्थियों को राहत मिली है, जो आयु सीमा के कारण परीक्षा फॉर्म भरने से वंचित हो रहे थे।

समाचार सार

चेंगड़े घाटी में यात्रियों से भरी ऑटो पलटी, आठ घायल

खूंटी: रनिया से बिंदा जाने वाले मार्ग पर चेंगड़े घाटी में एक सवारी ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे ऑटो में सवार आठ लोग घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब ऑटो सवार रंगरोड़ी गांव (रनिया थाना क्षेत्र) से मेहमानी के लिए सोगा गांव जा रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही रनिया थाना पुलिस, रनिया प्रमुख नेली डहँगा और समाजसेवी दीपक भुइया मौके पर पहुंचे। तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज जारी है। घायलों की स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। यह हादसा क्षेत्र में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं की ओर इशारा करता है। पहाड़ी और घुमावदार सड़कों पर तेज रफ्तार, ओवरलोडिंग, खराब सड़क सतह और सुरक्षा मानकों की अनदेखी जैसे कारण दुर्घटनाओं को बढ़ावा दे रहे हैं। स्थानीय प्रशासन से अपेक्षा है कि संवेदनशील घाटी मार्गों पर स्पीड कंट्रोल, नियमित वाहन जांच, साइनबोर्ड व बैरिकेडिंग जैसी व्यवस्थाएं सख्ती से लागू की जाएं, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर अंकुश लगाया जा सके।

चेचिस वाहन ने जूस दुकान में मारी टक्कर, एक घायल, बड़ा हादसा टला

खूंटी: जिले में मंगलवार को तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने का खतरनाक नतीजा सामने आया। तमाड़ मोड़ स्थित जयपाल सिंह मुंडा चौक पर एक तेज रफ्तार नई चेचिस वाहन ने गन्ने का जूस बेच रहे दुकानदार की दुकान में जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दुकान में रखी जूस मशीन, टेबल-कुर्सी सहित अन्य सामान चकनाचूर हो गए और वाहन आगे बढ़ते हुए सदर अस्पताल खूंटी की बाउंड्री से जा टकराया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वाहन चालक नशे की हालत में था और तेज रफ्तार के कारण उसने नियंत्रण खो दिया। घटना के बाद आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायल दुकानदार को तुरंत सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज किया गया। सूचना मिलते ही खूंटी पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन चालक को हिरासत में लेकर थाना ले गई। पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। जूस दुकानदार सुखराम होरो ने बताया कि वाहन सीधे उनकी दुकान में घुस गया, जिससे जूस मशीन, फर्नीचर और अन्य सामग्री पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस हादसे में उन्हें करीब 60 से 70 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। फिलहाल पुलिस चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया में जुटी है। यह घटना एक बार फिर सड़कों पर तेज रफ्तार और नशे में वाहन चलाने के खतरों की गंभीर चेतावनी देती है, जहां एक छोटी सी लापरवाही किसी की रोजी-रोटी और जान दोनों पर भारी पड़ सकती है।

हिंडाल्को के सिक्योरिटी गार्ड ने लगाया मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने का आरोप

सिल्ली: हिंडाल्को इंडस्ट्रीज मुरी के सिक्योरिटी गार्ड तरुण कुमार ग्राम चोमरदाग थाना झालदा पश्चिम बंगाल ने तीन लोगों के विरुद्ध मारपीट करने, जान से मारने की धमकी देने व सोने की अंगूठी छीन लेने का आरोप लगाते हुए मुरी ओपी में मामला दर्ज किया है। सिक्योरिटी गार्ड तरुण कुमार के अनुसार 14 फरवरी को रात्रि 11बजे एसपी गेट पर ड्यूटी पर तैनात था तो बाहर से एक मोटरसाइकिल पर तीन लोग सवार होकर आए और बोले कि गेट खोलो और कई कॉलेज करने लगे उसके बाद हेलमेट निकालकर हेलमेट से मरने लगे और दूसरा तीसरा व्यक्ति भी मारपीट किया तथा कहने लगा तुमको जान से मार देंगे। इस क्रम में मेरा सोने की अंगूठी भी छीन लिया और तीनों व्यक्ति वहां से भाग गए। शिकायत कर्ता ने आवेदन में तीनों व्यक्ति का नाम अंकित किया है जिसमें नितिन महतो चंदन कुमार एंव राहुल कुमार तीनों के पिता का नाम मालूम नही, तीनों हिंडालको कॉलोनी मुरी के रहने वाले है। मालूम हो कि बीते दिनों हिंडाल्को में ड्यूटी पर तैनात बाउंसरों पर भी रात को जानलेवा मारपीट किया गया था। परन्तु बताया जाता है की इस मामले पर लीपापोती हो गया। आरोपियों पर कोई कानूनी कार्रवाई नही हुई।

कृषि विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक

कोडरमा: समाहरणालय सभागार में उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा- निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि इस माह के अंत तक डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि सर्वे कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और निर्धारित समय सीमा में लक्ष्य हासिल करना सुनिश्चित किया जाए। इसके अतिरिक्त, कृषक पाठशाला से संबंधित लंबित मामलों का शीघ्र निस्पादन करते हुए भुगतान की प्रक्रिया पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने जिला कृषि पदाधिकारी को बैंक प्रबंधकों से समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक किसानों को केसीसी (किसान क्रेडिट कार्ड) स्वीकृत कराने का निर्देश दिया, ताकि किसानों को समय पर ऋण सुविधा उपलब्ध हो सके। बैठक में उप विकास आयुक्त रवि जैन, जिला कृषि पदाधिकारी सुरेश कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

तीन दिवसीय राजकीय इटखोरी महोत्सव का हुआ रंगारंग आगाज

मंत्री राधाकृष्ण किशोर व योगेन्द्र प्रसाद, सांसद कालीचरण सिंह व अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर महोत्सव का किया उद्घाटन

संवाददाता

चतरा: जिले के विश्वस्तरीय राजकीय इटखोरी महोत्सव का गुरुवार की शाम विधिवत रूप से आगाज कर दिया गया। महोत्सव का विधिवत उद्घाटन राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर,पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेन्द्र प्रसाद,राज्य के पूर्व मंत्री सत्यानंद सिंह भोक्ता,चतरा के भाजपा सांसद कालीचरण सिंह, चतरा विधायक जनार्दन पासवान,सिमरिया विधायक कुमार उज्ज्वल,बौद्ध धर्म एवं जैन धर्म के धर्मगुरुओं ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर अतिथियों द्वारा बैलून उड़ाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन के बाद मंत्रीगणों ने मां भद्रकाली की पूजा अर्चना की। मंदिर परिसर में आगमन पर मंत्री राधाकृष्ण किशोर व योगेंद्र प्रसाद का पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। समारोह के दौरान अतिथियों द्वारा इटखोरी की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को समर्पित कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया गया। साथ ही श्रद्धालुओं एवं आमजनों की सुविधा हेतु मां भद्रकाली मंदिर के लिए विकसित आधिकारिक वेबसाइट का भी लोकार्पण किया गया। उपायुक्त कीर्तिश्री ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि राजकीय इटखोरी महोत्सव क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय पटल पर स्थापित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने महोत्सव के सफल आयोजन हेतु सभी विभागों एवं आमजन के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।उद्घाटन के पश्चात वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने माता भद्रकाली का नमन करते हुए मंदिर के सर्वांगीण विकास पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि इटखोरी स्थित मां भद्रकाली मंदिर विश्वस्तरीय है। यह तीन धर्मों का संगम स्थल है। स्वयं पलामू जिला के रहनेवाले हैं,इसके बावजूद माता के मंदिर के प्रति उनकी आस्था काफी गहरी है। श्री किशोर ने कहा कि चतरा के सांसद ने केंद्र सरकार से राजकीय महोत्सव को राष्ट्रीय महोत्सव का दर्जा दिए जाने की मांग रखी है। उनका मानना है कि केंद्र सरकार उनकी इच्छा अवश्य पूरी करेगी। आगे कहा कि सांसद और विधायक ने कहा है कि राजकीय महोत्सव का दर्जा दिए जाने के बाद भी मंदिर विकास के कार्य अबतक अधूरे पड़े हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि सांसद और विधायक भी अपने मद से मंदिर के विकास में सहयोग करें। कहा कि जब इटखोरी महोत्सव को राष्ट्रीय दर्जा मिल जाएगा तो जिले के दो पर्यटन स्थलों को राजकीय महोत्सव का दर्जा दिया जाएगा। यह योजना सरकार के पाइप लाइन में ली गई है। वहीं अपने संबोधन में पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेन्द्र प्रसाद ने माता भद्रकाली से पूरे राज्य की सुख समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि झारखंड की हेमंत सरकार ने राजकीय इटखोरी महोत्सव का शुभारंभ किया है तो इसके विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है। महोत्सव के प्रथम दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों, पारंपरिक लोकनृत्य एवं रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। आगामी दो दिनों तक विविध सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं पर्यटन आधारित गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिससे इटखोरी की पहचान और अधिक सशक्त होगी।

इस मौके पर उपायुक्त ,पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल,सभी प्रशासनिक पदाधिकारी,जिला परिषद अध्यक्षा ममता कुमारी, उपाध्यक्ष बृज किशोर तिवारी,सत्ता पक्ष और विपक्ष के जिला अध्यक्ष समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

पीएलएफआई के नाम पर लेवी वसूलने वाला गिरफ्तार

खूंटी: जिले में पीएलएफआई के नाम पर लेवी वसूली, अवैध हथियार रखने और चोरी की मोटरसाइकिल के उपयोग से आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वाले एक नामजद अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई खूँटी थाना कांड संख्या 142/25 (दिनांक 06.07.2025) के तहत की गई।

पुलिस के अनुसार, धारा 111(2)/317(2) बीएनएस, 25(1-बी)/26/35 आर्म्स एक्ट एवं 17 सीएलए एक्ट में नामजद अभियुक्त 36 वर्षीय अजीम हव्वारी उर्फ मो अजीम हब्बारी उर्फ हिमांशु पिता मो सज्जाद हव्वारी, निवासी लियाकत अली लेन, थाना जिला खूँटी को 19.02.2026 को गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त ने स्वीकारोक्ति बयान में बताया कि उसने पूर्व में पीएलएफआई संगठन से प्राप्त हथियार और गोलियां अन्य अभियुक्तों को बेची थीं, जिनकी बरामदगी संबंधित कांडों में हो चुकी है।

अभियुक्त का आपराधिक इतिहास पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक अजीम हव्वारी के खिलाफ पहले भी कई गंभीर मामले दर्ज हैं।

खूंटी थाना कांड सं। 01/12 (02.01.2012): धारा 384/386/387/414/34 भादवि एवं 17 सीएलए एक्ट–पीएलएफआई के नाम पर लेवी वसूली और चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तारी। खूंटी थाना कांड सं। 12/23 (30.01.2023): धारा 395/411 भादवि–कटहल टोली के पास हथियार के बल पर 1,69,490 व दस्तावेज लूट। धुर्वा थाना (तुपुदाना ओपी) कांड सं। 46/19 (06.02.2019): आर्म्स एक्ट–हथियार व गोलियों के साथ पकड़ा जाना।

कांके थाना कांड सं। 182/23 (12.07.2023): धारा 385/386/387 भादवि–मोबाइल से पीएलएफआई के नाम पर 5 लाख की रंगदारी मांग। खूंटी थाना कांड सं। 118/25 (03.06.2025): बीएनएस 2023 व आर्म्स एक्ट–ग्राम अकता में अवैध जमावड़ा, मारपीट, फायरिंग व धमकी।

खूंटी थाना कांड सं। 119/25 (02.06.2025): बीएनएस 2023–ग्राम अकता में अशांति फैलाने की नीयत से फायरिंग। छापामारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह, पुअनि आदित्य कुमार (अनुसंधानकर्ता), पुअनि राजू कुमार एवं सशस्त्र बल, खूंटी थाना शामिल थे।

पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है और संगठन से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।

मनरेगा व आवास योजनाओं की समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने दिए सख्त निर्देश

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा: उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में मनरेगा अंतर्गत संचालित योजनाओं, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, अबुआ आवास योजना, पीएम जन- मन आवास योजना तथा पंचायत राज विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने मनरेगा अंतर्गत संचालित सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषक वाटिका निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की। निर्माण कार्य में शिथिलता पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी को निर्देश दिया कि एक सप्ताह के भीतर पोषक वाटिका निर्माण कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण करना सुनिश्चित करें। निर्धारित समयसीमा में प्रगति नहीं होने पर संबंधित पदाधिकारियों पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई। वित्तीय वर्ष 2025-26 में पीडी जेनरेशन में अपेक्षित प्रगति लाने का भी निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारियों को शत-प्रतिशत मजदूरों का जॉब कार्ड नवीनीकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अंतर्गत गाय शेड निर्माण योजना को लक्ष्य के अनुरूप पूर्ण करने पर बल दिया। उन्होंने मनरेगा के तहत लंबित योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने एवं निर्मित परिसंपत्तियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, अबुआ आवास योजना एवं पीएम जन-मन आवास योजना की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने स्वीकृत आवासों का समयबद्ध निर्माण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। लंबित आवासों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने, प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय किस्त का समय पर भुगतान करने तथा अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी पात्र लाभुक को योजना से वंचित नहीं रखा जाए तथा चयन प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी हो। पंचायत राज विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने पंचायत स्तर पर विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग, सामाजिक अंकेक्षण एवं अभिलेखों के पारदर्शी संधारण के निर्देश दिए। पंचायत ज्ञान केंद्रों के सुचारू संचालन एवं पंचायत भवनों के सुदृढ़ीकरण और रख-रखाव पर भी विशेष बल दिया गया। उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि सभी योजनाएं सरकार की प्राथमिकता में हैं और इनका प्रभावी क्रियान्वयन ही ग्रामीण विकास की आधारशिला है। उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समयसीमा में लक्ष्य प्राप्त करने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (मनरेगा), सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

एसडीओ के आदेश को दिखाया जा रहा है ठेंगा

विवादित भूमि पर नहीं रुका भवन निर्माण कार्य

दबंग पड़ोसी ने विवादित जमीन पर किया जबरन भवन निर्माण, स्थिति तनावपूर्ण

संवाददाता

चतरा: हंटरगंज प्रखंड के वशिष्ठ नगर जोरी थाना क्षेत्र के दंतार गांव में चतरा अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा एक विवादित जमीन पर चल रहे भवन निर्माण कार्य को रोके जाने के निर्देश के बावजूद भी जबरन भवन निर्माण किया गया और पुलिस प्रशासन मूकदर्शक बनी रही। पीड़ित दंतार निवासी जहांगीर अंसारी ने आरोप लगाया है कि मेरी जमीन पर जबरन भवन निर्माण किया जा रहा था। इसको लेकर मेरे द्वारा हंटरगंज सीओ व वशिष्ठ नगर जोरी को पूर्व में आवेदन दिया था। इसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिसके बाद पीड़ित ने एसडीओ को आवेदन देकर तत्काल कार्य पर रोक लगाने की गुहार लगाई थी। एसडीओ के द्वारा संज्ञान लेते हुए तत्काल भवन कार्य पर रोक लगाने और तत्काल उभय पक्षों को प्रशनगत भूमि पर यथा स्थिति बनाएं रखने हेतु और तत्काल वर्णित तथ्यों की जांच कर प्रतिवेदन को उपलब्ध करने का सीओ और थाना प्रभारी को निर्देश दिया था। लेकिन एसडीओ के आदेश की खुलेआम अवेहलना की गई। जानकारी के अनुसार मौजा दंतार के खाता संख्या 52 प्लॉट संख्या 283 रकबा 0।14 एकड़ भूमि पर पीड़ित जहांगीर अंसारी और मो हारून एवं मो शमशाद के बीच आपसी बंटवारे कि भूमि है। पीड़ित ने बताया कि विपक्षी मोहम्मद हारून के द्वारा अवैध रूप से भवन निर्माण कार्य कराया जा रहा था। वहीं रोकने पर जानलेवा हमला करने की धमकी दी जाती थी। उक्त भूमि को लेकर एसडीओ के पास में चल रहे मामले के बाद भी भवन निर्माण कार्य किया गया। हालांकि इस मामले में पूछे जाने पर कर्मचारी दुर्गा दास ने बताया कि निर्माण कार्य को प्रशासन के द्वारा रोक लगाने हेतु स्थल पर गए थे। दोनों पक्षों को समझाकर - बुझाकर निर्माण कार्य को रोक लगा दिया गया था। इसके बाद विपक्षी के द्वारा जबरन कार्य किया गया होगा। हालांकि इस कार्य के बाद दो पक्षों के बीच तनाव का माहौल है।

जन्मजात कटे होंठ व तालु के मरीजों के लिए निःशुल्क परामर्श शिविर 24 को

खूंटी: अल्मा मेटर संस्था के आयोजन में तथा इंगा हेल्थ फाउंडेशन और ऑपरेशन स्माइल के सहयोग से जन्मजात कटे होंठ (कटा होंठ) एवं कटे तालु से पीड़ित मरीजों के लिए एक निःशुल्क परामर्श एवं जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर मंगलवार, 24 फरवरी 2026 को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगा। शिविर का आयोजन दूसरी मंजिल, गोपद कॉम्प्लेक्स, नेताजी चौक के समीप, ऊपर चौक, खूंटी में किया जाएगा। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा सभी उम्र के मरीजों की जांच की जाएगी। जांच के उपरांत पात्र और जरूरतमंद मरीजों का पूरी तरह निःशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा।

आयोजकों ने बताया कि ऑपरेशन के साथ-साथ मरीज के साथ आने वाले दो माता-पिता/अभिभावक के रहने, खाने-पीने और आने-जाने का खर्च भी निःशुल्क वहन किया जाएगा। यह सुविधा क्षेत्र के जरूरतमंद परिवारों के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है। अल्मा मेटर संस्था ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि जिनके परिवार में कोई बच्चा या युवा जन्म से कटे होंठ या कटे तालु से पीड़ित है, वे निर्धारित तिथि को शिविर में अवश्य पहुंचें और इस जनहितकारी पहल का लाभ उठाएं।

पंजीकरण एवं अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: 9709016516

संक्षिप्त विवरण:

आयोजकः अल्मा मेटर संस्था

सहयोगः इंगा हेल्थ फाउंडेशन एवं ऑपरेशन स्माइल

सेवाः जन्मजात कटे होंठ एवं तालु का निःशुल्क परामर्श व ऑपरेशन

तिथिः 24 फरवरी 2026 (मंगलवार)

समयः सुबह 10:00 बजे से दोपहर

नगर निकाय चुनाव 2026

शांतिपूर्ण, निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव कराने को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट

मेट्रो रेज

रांचीः राजधानी रांची में होने वाले नगर निकाय चुनाव को लेकर प्रशासन ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग पूरी तरह सक्रिय हो गया है।

वाहनों की जब्ती, मोरहाबादी मैदान में रखा गयाः चुनाव ड्यूटी में उपयोग के लिए प्रशासन द्वारा स्कूल बसों के साथ-साथ कई निजी वाहनों को भी अधिग्रहित (जब्त) किया गया है। इन वाहनों को फिलहाल मोरहाबादी मैदान में सुरक्षित रखा गया है। प्रशासन का कहना है कि मतदान दलों और चुनाव सामग्री के सुरक्षित आवागमन के लिए पर्याप्त वाहन व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

इस बार ट्रांसपोर्ट नगर में होगी मतगणनाः इस बार नगर निकाय चुनाव की मतगणना ट्रांसपोर्ट नगर में कराए जाने का निर्णय लिया गया है। मतगणना केंद्र पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। सीसीटीवी निगरानी, बैरिकेडिंग और पास सिस्टम लागू किया जाएगा ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता न हो।

बैलेट पेपर से होगा मतदानः प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस बार मतदान बैलेट पेपर के माध्यम से कराया जाएगा। मतदान केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में बैलेट पेपर और अन्य चुनावी सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। मतदान कर्मियों को भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

सुरक्षा व्यवस्था कड़ीः चुनाव को लेकर प्रशासन पूरी तरह सख्त नजर आ रहा है। संवेदनशील और अतिसंवेदनशील बूथों की पहचान कर ली गई है। वहां अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। फ्लैग मार्च और नियमित गश्ती अभियान भी चलाए जा रहे हैं ताकि मतदाता निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

भ्रष्टाचार मुक्त चुनाव का दावाः जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि चुनाव प्रक्रिया को भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी बनाया जाएगा। आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या शिकायत के लिए कंट्रोल रूम की स्थापना की जा रही है।

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे लोकतंत्र के इस पर्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव कराने में सहयोग करें।

रांची नगर निगम चुनाव 2026

वार्ड 18 पार्षद प्रत्याशी सबलू मुंडा का जनसंपर्क अभियान, मांगा समर्थन

मेट्रो रेज

रांचीः वार्ड 18 के पार्षद प्रत्याशी सबलू मुंडा ने कहा कि एक बार मुझे सेवा करने का मौका दे । क्रम संख्या 3 में बल्ला छाप पर मुहर लगाकर मुझे भारी मतों से विजय बनाए और नेता नहीं सेवक चुनें।

वार्ड 18 के पार्षद प्रत्याशी सबलू मुंडा अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ वार्ड 18 के विभिन्न क्षेत्रों ऋषभ अपार्टमेंट, गोपाल कंपलेक्स गली, शिवनारायण लाइन, बैंक गली, गणगौर गली, बिहार क्लब गली, पीडब्लूडी क्वार्टर, पुरानी रांची नगर निगम क्षेत्र, पुरानी पुलिस लाइन, पाहन कोचा चडरी में पदयात्रा कर लोगों से समर्थन और आशीर्वाद मांगा। साथ ही गोपालगंज चडरी में सभा का आयोजन कर जनता से अपील कर समर्थन मांगा। आज के इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से केन्द्रीय सरना समिति अध्यक्ष बबलू मुंडा कुमोद कुमार वर्मा,किष्णा साव,हरिश कुमार,पींकू साव, बबलू वर्मा,पीटू प्रजापति, रामानंद साव, सुनील साव,राजू लोहरा, संजय नायक, संजय वर्मा, परमानंद लिंडा, विक्की मुंडा, प्रकाश मंडा, विक्की सोनी, रोहित वर्मा, राणा सिंह, रितिक कुमार, रितेश वर्मा, रिशु वर्मा, अनुज वर्मा, विक्की साव, अंशु वर्मा, विनय गुप्ता, लालू यादव, एवं सैकड़ों की संख्या में महिला एवं पुरुष उपस्थित थे।

झारखंड विधानसभा बजट सत्रः अंचल कार्यालयों की कार्यप्रणाली को लेकर विधायकों ने सरकार को घेरा

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड विधानसभा में अंचल कार्यालयों (सीओ ऑफिस) की कार्यप्रणाली को लेकर विधायकों ने सरकार को घेरा। सदन में नीरा यादव, सीपी सिंह और मनोज यादव समेत कई विधायकों ने एक सुर में कहा कि आम जनता और छात्र ब्लॉक के चक्कर काट-काट कर थक चुके हैं, लेकिन बिना सुविधा शुल्क के कोई काम नहीं हो रहा है।

विधायकों के सवालों का जवाब देते हुए राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री दीपक बिरुआ ने सरकार का बचाव किया। उन्होंने कहा कि राज्य में 2011 से राइट टू सर्विस (सेवा का अधिकार अधिनियम) लागू है, जिसमें हर काम के लिए समय सीमा निर्धारित है।मंत्री ने स्पष्ट किया कि यदि कोई अंचल अधिकारी निर्धारित समय के भीतर काम नहीं करता या अधिनियम का उल्लंघन करता है, तो जांच के बाद उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

म्यूटेशन और सो-मोटो सिस्टम पर सवालः विधायक नीरा यादव ने सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि जमीन निबंधन के बाद दाखिल-खारिज कराने और अन्य जरूरी प्रमाण पत्र लेने में जनता को भारी किल्लत हो रही है। उन्होंने कहा वर्ष 2022 से लागू सो-मोटो दाखिल-खारिज सिस्टम जमीन पर प्रभावी नहीं दिख रहा है। बच्चों को प्रमाण पत्र देने के लिए विशेष कैंप लगाए जाने चाहिए।

कलेजे पर हाथ रखकर बोलें मंत्रीः

पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक सीपी सिंह ने बेहद तल्ख तेवर अपनाते हुए मंत्री दीपक बिरुआ से सीधा सवाल किया।उन्होंने कहा, मंत्री बनने से पहले आप भी विधायक थे।जरा कलेजे पर हाथ रखकर बताइए, क्या आप नहीं जानते कि क्या हो रहा है? हम विधायकों का आधा दिन सीओ ऑफिस की शिकायतों को सुलझाने में ही गुजर जाता है। सीपी सिंह ने आगे कहा कि कानून बनाने मात्र से अपराध और भ्रष्टाचार नहीं रुकता।एक ही प्लॉट पर बार-बार म्यूटेशन होना निर्लज्जता की हद है। उन्होंने मांग की कि सरकार यह सुनिश्चित करे कि किसी को भी कार्यालय में रिश्वत न देनी पड़े और समय पर काम न करने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई हो। इसके जवाब में मंत्री ने सदन को आश्वस्त किया कि बच्चों के जाति, आवासीय और आय प्रमाण पत्र जैसे मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए विभाग की ओर से एक बार फिर से कड़ा आदेश जारी किया जाएगा।

बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

रांचीः राजधानी रांची के हरमू और कोकर इलाके में 20 फरवरी शुक्रवार को 2 से 6 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी।

इस दौरान मरम्मत कार्य किए जाएगे। हरमू इलाके में सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक बिजली बंद रहेगी। जिसके चलते पटेल चौक, चेतनटोली, बाली बगैचा, शिवदयाल नगर सहित कई क्षेत्र प्रभावित होंगे। इन क्षेत्रों के रहवासी जरूरी का समय पर पूरा कर लें। वहीं, कोकर क्षेत्र में सुबह 10.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इस दौरान हैदर अली रोड, खटाल आसपास के क्षेत्र, आनंदनगर, लोवाडीह, सिस्टर बंगला, मिलन चौक चुटिया, गणपत नगर चुटिया, अम्बेडकर नगर, अमेठिया नगर, तेतरी टोली, नामकुम में बिजली सप्लाई नहीं होगी। बिजली अधिकारी ने बताया कि शाम 4.30 बजे के बाद बिजली सप्लाई बहाल कर दी जाएगी।

जेएसएससी-सीजीएल पेपर लीक मामला

वित्त विभाग के एसओ संतोष कुमार मस्ताना को मिली जमानत

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की सीजीएल पेपर लीक मामले में जेल भेजे गए वित्त विभाग के सेक्शन ऑफिसर (एसओ) संतोष कुमार मस्ताना को झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की बेंच ने जमानत प्रदान की है। अदालत ने उन्हें बिना किसी शर्त के जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है।

सीआईडी जांच और अन्य आरोपियों पर कार्रवाईः बताते चलें कि अक्तूबर 2025 में जेएसएससी-सीजीएल पेपर लीक मामले की जांच कर रही अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ने वित्त विभाग के सेक्शन ऑफिसर संतोष कुमार मस्ताना को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। सीआईडी ने उनके पास से मोबाइल और अन्य दस्तावेज जब्त किए थे।

इसी मामले में छात्र नेता कुणाल प्रताप सिंह के खिलाफ 22 दिसंबर को वारंट जारी किया गया था। इसके बाद 28 जनवरी को हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस गौतम चौधरी की अदालत ने कुणाल सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए उनकी गिरफ्तारी पर अगले आदेश तक रोक लगा दी और उन्हें जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया। कुणाल को अब तक सीआईडी पांच बार समन कर चुकी है।

माह-ए-रमजान के पहले जुम्मे पर मस्जिदों में अता की गई नमाज

सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम

मेट्रो रेज

रांची : पवित्र माह-ए-रमजान के पहले जुम्मे की नमाज आज राजधानी रांची सहित जिले के सभी मस्जिदों में अकीदत और एहतराम के साथ अता की गई। सुबह से ही रोजेदारों और नमाजियों में खास उत्साह देखा गया। मस्जिदों में नमाज से पहले साफ-सफाई, वुजू और विशेष तैयारियों का दौर चलता रहा।

रांची शहर की प्रमुख मस्जिदों– जामा मस्जिद, हिन्दपीढ़ी जामा मस्जिद, डोरंडा जामा मस्जिद सहित अन्य मस्जिदों में बड़ी संख्या में नमाजी पहुंचे। मस्जिदों के भीतर जगह कम पड़ने पर कई स्थानों पर नमाजियों ने बाहर भी सफ बनाकर नमाज अता की।

पहले जुम्मे की नमाज को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। शहर के संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी। ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए, ताकि नमाजियों को आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

प्रशासन की ओर से मस्जिद कमेटियों के साथ समन्वय स्थापित कर सुरक्षा, पेयजल और साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी। नमाज के दौरान शांति और सौहार्द का माहौल बना रहा।

नमाज के बाद इमामों ने अपने खुत्बे में रमजान के महत्व, रोजे की फजीलत, भाईचारे, अमन-चैन और आपसी सद्भाव बनाए रखने का संदेश दिया। देश और राज्य की तरक्की तथा शांति के लिए विशेष दुआएं भी मांगी गईं।

वार्ड 40 के पार्षद प्रत्याशी राहुल कुमार का जनसंपर्क अभियान

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः रांची नगर निगम चुनाव में वार्ड संख्या 40 (एचईसी आवासीय परिसर) से पार्षद पद के प्रत्याशी राहुल कुमार के समर्थन में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान वार्ड 40 अंतर्गत टंकी साइड, सेक्टर तीन सहित अन्य क्षेत्रों में मतदाताओं से संपर्क कर राहुल कुमार को समर्थन देने की अपील की गई।

एचईसी परिसर के टंकी साइड स्थित आवास संख्या डीटी-1871 निवासी समाजसेवी गोपाल प्रसाद जयसवाल (जीपी जयसवाल) ने कहा कि वार्ड संख्या 40 से पार्षद पद के युवा प्रत्याशी राहुल कुमार कर्मठ, ईमानदार व जन समस्याओं के प्रति सजग हैं। श्री जायसवाल ने इस क्षेत्र के मतदाताओं से राहुल कुमार को क्रम संख्या-2 (दो), चुनाव चिन्ह बेबी वॉकर पर वोट देकर विजयी बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का अपेक्षित विकास और नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं दिलाने की दिशा में पूर्व से ही राहुल कुमार सक्रिय रहे हैं। यदि इस क्षेत्र की जनता उन्हें पार्षद पद पर विजयी बनती है, तो क्षेत्र में सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास को गति मिलेगी। नागरिक सुविधाएं बेहतर होंगी।

जनसंपर्क अभियान में काफी संख्या में पुरुष और महिलाएं शामिल थे।

मौसम का बदला मिजाज, कभी गर्मी तो कभी सर्दी

रांचीः झारखंड में इन दिनों मौसम ने दोहरा मिजाज दिखाना शुरू कर दिया हैं। राज्य के विभिन्न हिस्सों में सुबह ठंड और कोहरे का एहसास हो रहा हैं। वहीं दोपहर होते-होते गर्मी और पसीने का आलम हैं। ऐसे में लोगों को दिन और रात के कपड़े बदलने की मजबूरी महसूस हो रही हैं। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में सक्रिय हो रहे पश्चिमी विक्षोभ के कारण अगले सात दिनों तक सुबह के समय घना कोहरा रहने की संभावना हैं। इस दौरान विजिबिलिटी काफी कम हो सकती है, खासकर हाईवे और ग्रामीण सड़कों पर। दृश्यता 100 मीटर तक गिर सकती है, जिससे वाहन चालकों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई हैं। जैसे-जैसे दिन बढ़ेगा, धूप की तेजी और गर्मी का असर बढ़ेगा। अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना हैं।

रसोइयों की हड़ताल से चान्हो-मांडर के 178 स्कूलों में एमडीएम बाधित, 23 हजार से अधिक बच्चे प्रभावित

मेट्रो रेज

चान्हो/मांडर : सरकारी विद्यालयों में मध्याह्न भोजन तैयार करने वाली संयोजिकाओं और रसोइयों के अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाने से चान्हो और मांडर प्रखंड के कुल 178 स्कूलों में बीते दो दिनों से भोजन व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित है। हड़ताल के कारण हजारों छात्र समय पर भोजन से वंचित हो रहे हैं।उपलब्ध जानकारी के अनुसार, चान्हो प्रखंड के 10,615 और मांडर प्रखंड के 13,213 विद्यार्थियों को मध्याह्न भोजन नहीं मिल पा रहा है। हालात को देखते हुए कुछ विद्यालयों में बच्चों को बिस्किट देकर वैकल्पिक इंतजाम किया जा रहा है, जबकि कई स्कूलों में शिक्षकों को स्वयं रसोई का संचालन करना पड़ रहा है। शिक्षकों का कहना है कि पढ़ाई के साथ रसोई का कार्य संभालना कठिन हो गया है, जिससे शैक्षणिक गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं। वहीं अभिभावकों में बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द रसोइयों की समस्याओं का समाधान कर मध्याह्न भोजन व्यवस्था को फिर से पटरी पर लाया जाए।

प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ का होली मिलन समारोह 22 को

रांची : झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन 22 फरवरी 2026 (रविवार) को किया जाएगा। यह जानकारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी ने दी।

प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि महासंघ के प्रदेश कोषाध्यक्ष भोला सिंह के द्वारा संध्या 3:00 बजे ड्यूक मेंशन, लाइन टैंक रोड स्थित कार्यालय में होली मिलन समारोह का कार्यक्रम रखा गया है। कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।समारोह में शुद्ध शाकाहारी एवं मांसाहारी भोजन की व्यवस्था के साथ भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया गया है। इस अवसर पर प्रदेश भर के पदाधिकारी एवं मार्ग पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी ने सभी प्रदेश पदाधिकारियों एवं मार्ग पदाधिकारियों से आग्रह किया है कि वे कार्यक्रम स्थल पर दोपहर 2:00 बजे से 2:30 बजे के बीच पहुंच जाएं, ताकि कार्यक्रम का शुभारंभ निर्धारित समय पर किया जा सके।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय, खूँटी

(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

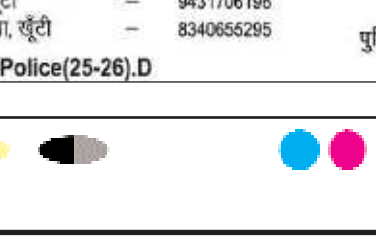

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता कि गुमशुदा महिला माग्रेट आईन्द उम्र–38 वर्ष पति–इमलीयुस करेकट्टा, ग्राम–सुरह, पो0–सुरह, थाना–कामडारा, जिला–गुमला, झारखण्ड। वर्तमान पता–ग्राम–नामकोम, थाना+जिला–खूँटी दिनांक–05.01.2026 को अपने परिवार वालों को बिना बताये घर से निकल गयी है। अबतक घर नहीं लौटी है। खोजबीन करने का काफी प्रयास किया गया, परन्तु कुछ पता नहीं चल पा रहा है। गुमशुदा माग्रेट आईन्द उम्र–38 वर्ष, का हुलिया स्थानीय दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित करने की कृपा की जाय, ताकि गुमशुदा माग्रेट आईन्द का खेजबीन/पता लगाया जा सके।

माग्रेट आईन्द का विवरणी:–

1. नाम– माग्रेट आईन्द
2. उम्र– करीब 38 वर्ष
3. लम्बाई– करीब 04 फीट 05 इंच।
4. बाल– काला
5. चहरा– गोल
6. रंग– सांवली
7. आँख– काला सामान्य
8. पहनावा– गुलाबी रंग का साड़ी पहनी हुई है।

अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त माग्रेट आईन्द के बारे में पता चलता है तो नीचे अंकित दूरभाष नं0 पर अविलम्ब सूचित करेंगे।

पुलिस अधीक्षक, खूँटी	–	9431706116
पुलिस उपाधीक्षक(मु0), खूँटी	–	8102091180
थाना प्रभारी, खूँटी	–	9431706196
डी0सी0बी शाखा, खूँटी	–	8340655295

पुलिस अधीक्षक, खूँटी

PR 373326 Police(25-26).D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

गहरे संदेश देती 'कंजकः द गर्ल विदाउट अ नेम'

हिंदुओं के लिए नवरात्रि सिर्फ. त्योहार नहीं, एक गहरी भावना है जो हमारी संस्कृति में बसी हुई है। साल में दो बार मनाया जाने वाला यह त्योहार अष्टमी या नवमी पर कंजक या कन्या पूजन के साथ खत्म होता है। इस दिन घर में नौ छोटी लड़कियों और एक लड़के (जिसे अक्सर लोंकड़ा कहते हैं) को बुलाया जाता है और उन्हें मां दुर्गा का जीवंत रूप मानकर पूजा जाता है। उन्हें पूढ़ी, हलवा, चना खिलाया जाता है, उपहार दिए जाते हैं और उनके पैर छुए जाते हैं। यह रस्म शुद्धता, भक्ति और स्त्री शक्ति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। यह रस्म बहुत पवित्र और प्यारी है, लेकिन इसमें कुछ सामाजिक बारीकियां और रोजमर्रा की मुश्किलें भी छिपी हैं। इन्हीं बातों को बहुत खूबसूरती से दिखाया गया है फिल्म 'कंजकः द गर्ल विदाउट अ नेम' में। यह फिल्म सच्चिदानंद जोशी की कहानी पर आधारित है। राहुल

यादव ने इसे बहुत संवेदनशीलता से निर्देशित किया है। यह हाल ही में रिलीज हुई एक छोटी लेकिन गहरी छाप छोड़ने वाली कहानी है, जो दिल्ली के एक मध्यमवर्गीय घर में दुर्गा पूजा के दौरान घटित होती है। कहानी की मुख्य किरदार हैं एक सम्मानित और धार्मिक महिला, जिन्हें सब प्यार से 'आंटी' कहते हैं। मालविका जोशी ने इस रोल को बहुत शिद्दत से निभाया है। आंटी कन्या पूजन की हर छोटी-बड़ी तैयारी पूरी लगन से कर रही हैं लेकिन सुबह होते ही सब उल्टा-पुल्टा हो जाता है। घर की मदद करने वाली मीना नहीं आती। प्लेटें, चढ़ावा, यहां तक कि पूजा की दरी भी गायब हो जाती है। घर वाले बेचैन और चिढ़े हुए हैं। आंटी की घबराहट बढ़ती जाती है। उनकी यह परेशानी एक गहरी सच्चाई दिखाती है। औरतों पर ही अक्सर संस्कृति और धर्म की रस्मों को पूरी तरह निभाने का बोझ पड़ता है। रस्म की पवित्रता खतरे में लगती है और घर का फिल्म इन घरेलू बातों को बहुत सच्चाई से दिखाती है–छोटी-छोटी चिढ़, पीढ़ियों का फर्क, और नीचे-नीचे छिपी भक्ति–बिना ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर। जो शुरू में घरेलू हंगामे जैसी हल्की-फुल्की कॉमेडी लगती है, वो धीरे-धीरे बहुत गहरी सोच वाली बात बन जाती है। जब तनाव चरम पर पहुंचता है, तभी एक युवती जिसे सिर्फ. 'दीदी' कहा जाता है, अचानक आ पहुंचती है–और ठीक नौ लड़कियों के साथ। उसका आना ऐसा लगता है जैसे भगवान ने खुद भेजा हो। वो शांत और आत्मविश्वास से भरी हुई है। वो गायब चीजें ढूँढ निकालती है, सबको बैठाती है, बच्चों से प्यार से बात करती है और आंटी को ढाढ़स बंधाती है। माहौल से भर जाता है। लड़कियां हंसती-खेलती हैं, गाती हैं और पूजा में खुशी-खुशी हिस्सा लेती हैं। दीदी की शांत कार्यक्षमता और संयम से रस्म सिर्फ. रस्म नहीं रह जाती, बल्कि सच्ची भक्ति और एकता का रूप ले लेती है। ये लड़की (सवलीन कौर) घर की मालकिन आंटी से बात करते हुए एक कड़वी सच्चाई कह देती है–हमने अपनी नदियों को बहुत गंदा कर दिया है। उसकी बात उत्सव की खुशी में चुभ जाती है। खासकर दिल्ली में, जहां कंजक के बाद लोग यमुना किनारे जाकर बचे-खुचे प्रसाद को बहा देते हैं–और यही नदी को और गंदा करते हैं। यह पल हमें सोचने पर मजबूर करता है कि क्या बिना ज़िम्मेदारी वाली रस्म सच में भगवान की इज्जत करती है? एक आध्यात्मिक मोड़ पूजा खत्म होने पर माहौल गंभीर हो जाता है। कबीर का भजन धीरे-धीरे बजता हैः मोको

कहाँ ढूंढे रे बंदे, मैं तो तेरे पास में। यह भजन फिल्म के मुख्य संदेश को रेखांकित करता है। बिना ज्यादा खुलासा किए, कहानी में दीदी की असलियत का एक दमदार ट्विस्ट आता है। यह ट्विस्ट कहानी को घरेलू सच्चाई से आध्यात्मिक प्रतीक तक ले जाता है। यह बताता है कि भगवान सिर्फ. बड़ी-बड़ी रस्मों या दूर की मूर्तियों में नहीं, बल्कि इंसानी रिश्तों, दया और सच्ची श्रद्धा में बसता है। 'बिना नाम वाली लड़की' एक प्रतीक बन जाती है–उस पवित्रता की, जिसे हम अक्सर अनदेखा कर देते हैं। क्लाइमेक्स ड्रामेटिक नहीं, बल्कि सोचने वाला है। फिल्म खत्म होने के बाद भी दिमाग में घूमती रहती है। सच्चिदानंद जोशी की कहानी सामाजिक टिप्पणी के लिए जानी जाती है और फिल्म ने उसे अच्छे से अपनाया है। यह समावेशिता, औरतों की संस्कृति बचाने की भूमिका, और जाति-वर्ग-धर्म की दीवारों को तोड़ने की बात करती है। यह सवाल उठाती है कि क्या सिर्फ. यांत्रिक रस्में करने से भक्ति बची रहती है, या असली भक्ति तो सहानुभूति और खुले दिल में है। राहुल यादव का निर्देशन हास्य, कोमलता और दर्शन के बीच संतुलन बनाए रखता है। गति तेज है, एक्टिंग स्वाभाविक है और कहानी बिना बनावटी के है। मालविका जोशी ने आंटी के घबराहट से आश्चर्य तक के सफर को खूबसूरती से निभाया है। बच्चे भी बहुत सहज और मासूम लगते हैं। शॉर्ट फिल्म नहीं है। यह एक कोमल याद दिलाती है कि सच्ची भक्ति कठोर रस्मों में नहीं, बल्कि इंसानियत में है। आजकल जब त्योहार दिखावा बन जाते हैं, यह फिल्म हमें भक्ति का असली मतलब फिर से याद दिलाती है। यह हमें सोचने पर मजबूर करती है कि हम भगवान को कहाँ ढूँढते हैं। शायद वो दूर नहीं, हमारे बगल में ही है–बिना नाम का, अनदेखा, लेकिन बहुत असली। अपने शांत और सादे अंदाज में यह फिल्म भारतीय परंपरा, सामाजिक सोच और सार्थक कहानी का बेहतरीन मिश्रण है। जो भारतीय संस्कृति, सामाजिक मुद्दों और अच्छी कहानी पसंद करते हैं, उनके लिए यह फिल्म जरूर देखने लायक है–दिल को छूने वाली और लंबे समय तक याद रहने वाली।

न्याय बने विकास की कसौटी

ऐसा नहीं है कि ऑनलाइन गेम की गिरफ्त में हमारे देश के बच्चे या युवा आ रहे हों अपितु दुनिया के अधिकांश देश इस समस्या से दो-चार हो रहे हैं। इस तरह की घटनाओं को हत्या के रुप में ही देखा जाना चाहिए। आत्महत्या कहकर इसे हल्का किया जा रहा है। हालात यहां तक है कि बच्चे या ऑनलाइन गेम खेलने वाले रात को सोने की स्थिति में गेम में चल रहे टास्क से संबंधित बातें बोलते हुए देखे जा सकते हैं।

योगेश कुमार गोयल

किसी भी समाज की सच्ची प्रगति उसकी ऊंची इमारतों या तेज आर्थिक वृद्धि से नहीं बल्कि इस बात से मापी जानी चाहिए कि वह अपने सबसे कमजोर, वंचित और हाशिए पर खड़े नागरिकों को कितना न्यायपूर्ण, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान करता है। 20 फरवरी को मनाया जाने वाला सामाजिक न्याय का विश्व दिवस मानव सभ्यता की उस मूल चेतना का प्रतीक है, जिसके बिना न तो शांति संभव है और न ही टिकाऊ विकास। इस दिवस की स्थापना इसलिए की गई थी ताकि गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक बहिष्कार, असमानता और भेदभाव जैसी जटिल वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिए देशों के बीच साझा प्रतिबद्धता को मजबूती मिल सके।

वर्ष 2026 में सामाजिक न्याय का विश्व दिवस की थीम है ह्यसमावेशन को सशक्त बनानाः सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटनाह्न। यह थीम स्पष्ट करती है कि असमानताओं को कम करने के लिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है। जरूरी यह है कि विकास की प्रक्रिया में समाज के हर वर्ग की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित हो। समावेशन का अर्थ केवल योजनाओं का लाभ पहुंचाना नहीं बल्कि निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया में उन लोगों की आवाज को स्थान देना है, जो अब तक हाशिए पर रहे हैं। जब तक नीतियां केवल केंद्रों में बनती रहेंगी और उनका प्रभाव जमीनी स्तर तक नहीं पहुंचेगा, तब तक सामाजिक न्याय एक अधूरा लक्ष्य बना रहेगा।

यह दिवस विशेष प्रासंगिकता रखता है क्योंकि आज की दुनिया एक गहरे संक्रमणकाल से गुजर रही है। वैश्वीकरण, तकनीकी प्रगति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन और भू-राजनीतिक तनावों ने आर्थिक व सामाजिक ढ़ांचों को तेजी से बदला है। इन बदलावों का लाभ जहां कुछ सीमित वर्गों तक सिमट गया है, वहीं बड़ी आबादी, विशेषकर गरीब, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक, महिलाएं, प्रवासी, दिव्यांगजन और अल्पसंख्यक समुदाय और अधिक असुरक्षित होती जा रही है। ऐसे समय में सामाजिक न्याय केवल नैतिक आदर्श नहीं, नीति और शासन की अनिवार्य प्राथमिकता बन चुका है।

सामाजिक न्याय की अवधारणा अवसरों, संसाधनों और अधिकारों के निष्पक्ष वितरण से जुड़ी है। इसका मतलब यह नहीं कि सभी को समान परिणाम मिले बल्कि यह है कि सभी को समान अवसर उपलब्ध हों। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास और कानूनी सुरक्षा तक समान पहुंच इसके मूल स्तंभ हैं। जब किसी व्यक्ति का भविष्य उसकी जाति, लिंग, धर्म, जन्म स्थान या आर्थिक स्थिति से तय होने लगे, तब यह स्पष्ट संकेत होता है कि समाज में न्याय का संतुलन बिगड़ चुका है। आज वैश्विक स्तर पर असमानताओं की खाई लगातार चौड़ी हो रही है। एक ओर अत्यधिक संपन्न वर्ग है, जिसके पास संसाधनों और अवसरों की प्रचुरता है, वहीं दूसरी ओर करोड़ों लोग बुनियादी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बेरोजगारी, असुरक्षित रोजगार और कम वेतन ने विशेष रूप से युवाओं के सामने गंभीर संकट खड़े कर दिए हैं। इसी संदर्भ में सम्मानजनक कार्य और मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र की आवश्यकता सामने आती है। पेंशन, स्वास्थ्य बीमा, बेरोजगारी सहायता और खाद्य सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं केवल कल्याणकारी योजनाएं नहीं बल्कि सामाजिक स्थिरता और भरोसे की आधारशिला हैं।

भारत में सामाजिक न्याय का विचार गहरे संवैधानिक मूल्यों से जुड़ा है। संविधान की प्रस्तावना सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की गारंटी देती है जबकि मौलिक अधिकार और राज्य नीति के निदेशक सिद्धांत असमानताओं को कम करने और कल्याणकारी राज्य की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। स्वतंत्रता के बाद से आरक्षण नीति, सामाजिक कल्याण योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य में सार्वजनिक निवेश तथा कौशल विकास और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। बावजूद इसके, क्षेत्रीय असमानताएं, शहरी-ग्रामीण विभाजन, डिजिटल डिवाइड और लैंगिक विषमता जैसी चुनौतियां आज भी बनी हुई हैं।

सामाजिक न्याय का विश्व दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है कि क्या हमारी नीतियां अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंच रही हैं, क्या शिक्षा और रोजगार के अवसर वास्तव में समान हैं और क्या विकास का लाभ संतुलित रूप से बंट रहा है? यह दिवस यह भी याद दिलाता है कि सामाजिक न्याय की लड़ाई किसी एक देश या सरकार की नहीं बल्कि वैश्विक सहयोग और सामूहिक प्रयास की मांग करती है। सामाजिक न्याय का विश्व दिवस 2026 इस सत्य को दोहराता है कि सच्ची प्रगति तभी संभव है, जब कोई भी पीछे न छूटे। समावेशन और सशक्तिकरण केवल शब्द नहीं बल्कि रोजमर्रा के निर्णयों, नीतियों और सामाजिक व्यवहारों में उतारने योग्य जिम्मेदारी हैं। जब हर व्यक्ति को समान गरिमा, अवसर और सुरक्षा मिलती है, तभी न्याय कागजों से निकलकर जीवन की वास्तविकता बनता है और एक अधिक मानवीय, समावेशी तथा न्यायपूर्ण विश्व का निर्माण संभव हो पाता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

रोबोडॉग प्रकरणः प्रमाणन की होड़ में दम तोड़ती अकादमिक गुणवत्ता

देश के अधिकांश-हालाँकि सभी नहीं–निजी विश्वविद्यालय और डिग्री कॉलेज शिक्षा के केंद्र कम और डिग्री वितरण केंद्र अधिक बन गए हैं। शिक्षा एक बौद्धिक प्रक्रिया नहीं बल्कि लेन-देन बनती जा रही है- पैसे के बदले डिग्री।

डॉ. प्रियंका सौरभ

गलगोटिया यूनिवर्सिटी में रोबोडॉग के प्रदर्शन से जुड़ा हालिया विवाद सोशल मीडिया और मुख्यधारा मीडिया में व्यापक चर्चा का विषय बना। सतह पर यह मामला उपयुक्तता, प्राथमिकताओं या कैंपस संस्कृति से जुड़ा प्रतीत होता है, लेकिन वास्तविकता में यह भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था में वर्षों से पनप रहे गहरे और संरचनात्मक संकट का केवल एक लक्षण है। समस्या रोबोडॉग नहीं है। समस्या यह है कि हमारे विश्वविद्यालय धीरे-धीरे क्या बनते चले गए हैं। पिछले दो दशकों में भारत में उच्च शिक्षा का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। निजी विश्वविद्यालयों, स्ववित्तपोषित कॉलेजों और डिग्री संस्थानों की संख्या तेजी से बढ़ी है। इस विस्तार को अक्सर शिक्षा तक पहुँच बढ़ने और जनसांख्यिकीय लाभ के रूप में प्रस्तुत किया गया। लेकिन जब यह विस्तार समानांतर नियमन, अकादमिक कठोरता और जवाबदेही के बिना हुआ तो इसकी कीमत गुणवत्ता को चुकानी पड़ी। परिणाम यह हुआ कि मात्रा बढ़ी पर गुणवत्ता लगातार गिरती चली गई। आज देश के अधिकांश-हालाँकि सभी नहीं–निजी विश्वविद्यालय और डिग्री कॉलेज शिक्षा के केंद्र कम और डिग्री वितरण केंद्र अधिक बन गए हैं। शिक्षा एक बौद्धिक प्रक्रिया नहीं बल्कि लेन-देन बनती जा रही है- पैसे के बदले डिग्री। उपस्थिति, अकादमिक भागीदारी, प्रयोगशाला कार्य और बौद्धिक अनुशासन जैसी बातें अब अनिवार्य नहीं रहीं, बल्कि समझौते के दायरे में आ गई हैं। जो कभी उच्च शिक्षा में गैर-समझौतावादी हुआ करता था, वह अब लचीला, कमजोर और विकृत हो चुका है।

यह गिरावट विशेष रूप से उन विषयों में चिंताजनक है जहाँ कठोरता अनिवार्य है। सैद्धांतिक पढ़ाई का कमजोर होना एक बात है, लेकिन विज्ञान शिक्षा का खोखला हो जाना कहीं अधिक गंभीर है। आज स्थिति यह है कि छात्र बिना नियमित कक्षाओं में गए और बिना प्रयोगशाला में व्यावहारिक प्रशिक्षण लिए विज्ञान जैसे विषयों में स्नातक और परास्नातक डिग्रियाँ प्राप्त कर रहे हैं। प्रयोगात्मक कार्य- जो कभी वैज्ञानिक प्रशिक्षण की रीढ़ हुआ करता था–अब औपचारिकता बनकर रह गया है। डिग्रियाँ तो दी जा रही हैं लेकिन दक्षता सुनिश्चित नहीं की जा रही। इस खोखलेपन के परिणाम तब स्पष्ट होते हैं जब छात्र नौकरी के लिए सामने आते हैं। रसायन विज्ञान में परास्नातक छात्र बुनियादी वैज्ञानिक अवधारणाएँ नहीं समझा पाता। कॉमर्स स्नातक डेबिट और क्रेडिट की मूल अवधारणा स्पष्ट नहीं कर पाता। प्रबंधन की डिग्री रखने वाला छात्र समस्या-समाधान और आलोचनात्मक सोच में कमजोर दिखाई देता है। ये कोई इक्का-दुक्का उदाहरण नहीं बल्कि उद्योग जगत द्वारा बार-बार देखी जा रही सामान्य प्रवृत्तियाँ हैं। स्वाभाविक रूप से इससे छात्रों और अभिभावकों में निराशा पैदा होती है। वर्षों की पढ़ाई और भारी आर्थिक निवेश के बावजूद जब रोजगार नहीं मिलता तो सवाल उठते हैं। माता-पिता यह पूछने में बिल्कुल सही होते हैं कि पढ़ाई के बाद भी बच्चा बेरोजगार क्यों है। अक्सर इस असंतोष का निशाना सरकार बनती है, जिस पर रोजगार सृजन न कर पाने का आरोप लगाया जाता है। हालाँकि रोजगार सृजन एक नीतिगत चुनौती है लेकिन यह विमर्श एक असहज सच्चाई को नजरअंदाज कर देता है कि बड़ी संख्या में स्नातक वास्तव में रोजगार योग्य ही नहीं हैं।

यहीं से मूल प्रश्न जन्म लेता है। यदि छात्रों में आवश्यक ज्ञान और कौशल नहीं है तो उन्हें योग्य घोषित करने वाली डिग्रियाँ उन्हें कैसे मिल गईं? ऐसी संस्थाओं को बिना अकादमिक गुणवत्ता सुनिश्चित किए प्रमाणपत्र बाँटने की अनुमति किसने दी? इसका उत्तर हमें उच्च शिक्षा के नियामक ढाँचे में मिलता है।

भारत में उच्च शिक्षा की देखरेख कई मंत्रालयों, विभागों और नियामक संस्थाओं द्वारा की जाती है, जिनका घोषित उद्देश्य मानकों की रक्षा, गुणवत्ता सुनिश्चित करना और अकादमिक ईमानदारी बनाए रखना है। मान्यता प्रणालियाँ, निरीक्षण, मूल्यांकन और अकादमिक ऑडिट इसी उद्देश्य से बनाए गए थे। लेकिन व्यवहार में ये प्रक्रियाएँ अक्सर वास्तविक मूल्यांकन की बजाय औपचारिक अनुष्ठान बनकर रह गई हैं।निरीक्षण प्रायः पूर्व निर्धारित होते हैं। दस्तावेज औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए सजाए जाते हैं। इमारतों और बुनियादी ढाँचे को शिक्षण गुणवत्ता पर प्राथमिकता दी जाती है। अनुपालन को सीखने के परिणामों से ऊपर रखा जाता है। छात्रों का वास्तविक अकादमिक अनुभव, शिक्षण की गुणवत्ता, परीक्षा की कठोरता और जिज्ञासा की संस्कृति- इन पर गंभीर और निरंतर निगरानी शायद ही होती है। नतीजतन, संस्थान शिक्षा सुधारने के बजाय नियामकों को ह्लमैनेजह्व करना सीख लेते हैं।इस नियामक शिथिलता ने एक दुष्चक्र को जन्म दिया है- संस्थान न्यूनतम अकादमिक जवाबदेही के साथ चलते रहते हैं, नियामक निगरानी का आभास बनाए रखते हैं और डिग्रियाँ लगातार जारी होती रहती हैं। इस व्यवस्था की कीमत न तो संस्थान चुकाते हैं, न ही नियामक बल्कि छात्र, नियोक्ता और समाज चुकाता है। विडंबना यह है कि एक ओर उद्योग जगत योग्य मानव संसाधन की कमी की शिकायत करता है, वहीं दूसरी ओर देश शिक्षित बेरोजगारी के गंभीर संकट से जूझ रहा है। यह कोई विरोधाभास नहीं बल्कि उस व्यवस्था का स्वाभाविक परिणाम है जहाँ प्रमाणपत्र को क्षमता से ऊपर रखा गया है। कंपनियाँ नए कर्मचारियों को फिर से प्रशिक्षित करने पर भारी खर्च करने को मजबूर हैं, जबकि युवा पेशेवर आत्मविश्वास की कमी और करियर ठहराव से जूझते हैं। इस व्यवस्था का सबसे बड़ा शिकार वे ईमानदार और प्रतिभाशाली छात्र हैं, जो अक्सर विकल्पों की कमी या भ्रामक ब्रांडिंग के कारण औसत संस्थानों में दाखिला ले लेते हैं। वे मेहनत करते हैं, सीखना चाहते हैं लेकिन अंततः उन्हें अपनी काबिलियत से ज्यादा अपनी मार्कशीट पर दर्ज संस्थान के नाम का बोझ उठाना पड़ता है। उनकी व्यक्तिगत योग्यता संस्थागत विश्वसनीयता की कमी में दब जाती है। यह केवल अन्याय नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा की बबार्दी है। यह स्वीकार करना होगा कि भारत में आज भी कुछ उच्च-गुणवत्ता वाले संस्थान मौजूद हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करते हैं। लेकिन वे अपवाद हैं, नियम नहीं। उल्लेखनीय है कि बारहवीं तक की स्कूली शिक्षा आज भी अपेक्षाकृत अधिक संरचित और नियंत्रित है। जैसे ही छात्र उच्च शिक्षा में प्रवेश करता है, निगरानी ढीली पड़ जाती है और अपेक्षाएँ धुंधली हो जाती हैं। यदि इस प्रवृत्ति को समय रहते नहीं रोका गया, तो इसके दीर्घकालिक परिणाम गंभीर होंगे। डिग्रियों का सामाजिक और आर्थिक मूल्य घटेगा। उच्च शिक्षा पर सार्वजनिक विश्वास कमजोर होगा। योग्यता और औसतपन के बीच का अंतर और अधिक अस्पष्ट होता जाएगा। हर गली में विश्वविद्यालय जैसे वाक्य व्यंग्य नहीं बल्कि यथार्थ का वर्णन बन जाएंगे–जहाँ विश्वविद्यालय तो हर जगह होंगे, पर शिक्षा नहीं। अब सुधार का समय है और यह सुधार ईमानदार और कठोर होना चाहिए। नियामक संस्थाओं को बॉक्स-टिकिंग से आगे जाकर परिणाम आधारित, पारदर्शी और अप्रत्याशित मूल्यांकन अपनाना होगा। शिक्षण की गुणवत्ता, सीखने के परिणाम, छात्र सहभागिता और मूल्यांकन की ईमानदारी को इमारतों और विज्ञापनों से ऊपर रखना होगा।

संस्थानों की जवाबदेही तय करनी होगी। जो कॉलेज और विश्वविद्यालय लगातार अकादमिक रूप से असफल हो रहे हैं, उनके खिलाफ ठोस कार्रवाई होनी चाहिए- सीटों में कटौती, पाठ्यक्रम निलंबन या मान्यता रद्द करने तक। उच्च शिक्षा ऐसा व्यवसाय नहीं हो सकता जहाँ असफलता की कोई कीमत न चुकानी पड़े। छात्रों और अभिभावकों को भी अधिक सजग होना होगा। केवल मार्केटिंग, बुनियादी ढाँचे और ब्रांडिंग के आधार पर निर्णय लेना भविष्य के साथ समझौता है। शिक्षा कोई साधारण खरीद नहीं बल्कि बौद्धिक और व्यावसायिक विकास में निवेश है और गलत निर्णयों के दूरगामी परिणाम होते हैं।

अंततः, उच्च शिक्षा का उद्देश्य डिग्री बाँटना नहीं बल्कि सोचने-समझने वाले, सक्षम और ज़िम्मेदार नागरिक तैयार करना है। जब तक यह मूल उद्देश्य पुनः स्थापित नहीं होता, तब तक रोबोडॉग जैसे विवाद आते रहेंगे- कुछ समय के लिए शोर मचाएँगे और फिर शांत हो जाएँगे, जबकि असली संकट जस का तस बना रहेगा। हमें सजावटी सुधार नहीं, बल्कि प्रणालीगत आत्ममंथन चाहिए। क्योंकि शिक्षा का संकट केवल कक्षा तक सीमित नहीं रहता, वह चुपचाप राष्ट्र का भविष्य गढ़ता है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अनूठे स्वरूप के प्रति अटूट आस्था का सिद्धपीठ

श्री सालासार बाला जी देश में अकेला ऐसा प्राचीन मंदिर है, जहां हनुमान जी दाढ़ी और मूंछों के स्वरूप में विराजमान हैं। यहां हनुमान जी को ह्यसीता राम हनुमानह्न कहा जाता है। मुख्य प्रवेश द्वार के भीतर बाईं ओर की दीवार पर सिंदूरी हनुमान जी की छवि अंकित है। भक्त उनके चरणों से अपने माथे पर सिंदूरी तिलक लगाकर, सिक्का चिपका कर भीतर मुख्य बरामदे में दाखिल होते हैं। बाईं ओर मंदिर का प्रसाद बिक्री केंद्र है। भक्त यहां से देसी घी की बूंदी, मोटी बूंदी के लड्डू, चक्की और चूरमा का प्रसाद पेकिंग में ले सकते हैं। भीतर मुख्य भवन में जाते-जाते दीवारों पर हनुमान जी की कई प्राचीन छवियों और चित्रों के दर्शन होते हैं। भवन के बीचों-

बीच सिंदूरी रंग के हनुमान जी के चेहरे के दर्शन पाकर भक्त धन्य महसूस करते हैं। नीचे-ऊपर चारों तरफ ह्यराम राम राम?... अंकित है, और कहीं-कहीं ह्यजय श्रीरामह्न भी। ऊपर छत्र और बगल में सोने का गदा सजा है। उनके इर्द- गिर्द सोने और चांदी के पत्तरों से भगवानों की उकेरी छवियां हैं।

भक्त पांच-छह कतारों में दर्शन करते हैं। मुख्य भवन में कुछ सीढ़ियां उतर कर हनुमान जी के सम्मुख पहुंचते हैं। यहीं खड़े-खड़े भक्त दर्शन करते हैं, अपने हनुमान जी से मन की बात करते हैं, अपना-अपना प्रसाद और अपनी-अपनी भेंट चढ़ाते हैं। फिर कुछ सीढ़ियां चढ़कर बाहर निकलते जाते हैं। सभी कतारें यूं ही सीढ़ियां उतर और चढ़कर चलती जाती हैं। व्यवस्था ऐसी है कि सबसे आखिरी कतार वाले भी भली-भांति दर्शन कर लेते हैं।श्री सालासर बालाजी धाम राजस्थान के चूरू जिले में स्थित सालासर बालाजी धाम हनुमान जी के अद्वितीय स्वरूप के लिए प्रसिद्ध सिद्धपीठ है। यहां नारियल बांधकर मन्नत मांगी जाती है, चूरमे का भोग लगाया जाता है और 1759 से अखंड ज्योत निरंतर प्रज्वलित है। श्री सालासर बाला जी देश में अकेला ऐसा प्राचीन मंदिर है, जहां हनुमान जी दाढ़ी और मूंछों के स्वरूप में विराजमान हैं। यहां हनुमान जी को ह्यसीता राम हनुमानह्न कहा जाता है। मुख्य प्रवेश द्वार के भीतर बाईं ओर की दीवार पर सिंदूरी हनुमान जी की छवि अंकित है। भक्त उनके चरणों से अपने माथे पर सिंदूरी तिलक लगाकर, सिक्का चिपका कर भीतर मुख्य बरामदे में दाखिल होते हैं। बाईं ओर मंदिर का प्रसाद बिक्री केंद्र है। भक्त यहां से देसी घी की बूंदी, मोटी बूंदी के लड्डू, चक्की और चूरमा का प्रसाद पेकिंग में ले सकते हैं।

टिप्स

चिकित्सा के पेशे में पर्दे के पीछे वाले विशेषज्ञ

जब किसी रोग का सही निदान होता है, तभी उसका सही उपचार संभव हो पाता है- और इस निदान की प्रक्रिया में पर्दे के पीछे एक ऐसा विशेषज्ञ सक्रिय रहता है, जो आधुनिक चिकित्सा का तकनीकी स्तंभ है। यही विशेषज्ञ होता है रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग टेक्नोलॉजिस्ट (आरआईटी) जो अत्याधुनिक मशीनों से शरीर के आंतरिक अंगों की सटीक तस्वीरें लेकर डॉक्टर को सही निदान में सहायता करता है। इसलिए इन्हें चिकित्सा जगत के इनविजिबल डायग्नोस्टीशियंस यानी पर्दे के पीछे के सच्चे हीरो कहा जाता है।

पेशेवर के तौर पर पहचान : रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग टेक्नोलॉजिस्ट एक प्रशिक्षित टेक्नो-क्लिनिकल प्रोफेशनल होता है, जो विभिन्न रेडियोलॉजिकल उपकरणों जैसे एक्स-रे, सीटी स्कैन, एमआरआई, अल्ट्रासाउंड, मैमोग्राफी आदि का संचालन करता है। ये विशेषज्ञ चिकित्सकों की सहायता से रोग की पहचान, चोट का मूल्यांकन और उपचार की प्रगति की निगरानी करने में अहम भूमिका निभाते हैं।

प्रमुख जिम्मेदारियां : एक्स-रे, सीटी, एमआरआई, अल्ट्रासाउंड जैसी इमेजिंग प्रक्रियाओं का संचालन, रेडिएशन सेफ्टी और क्वालिटी सुनिश्चित करना, उपकरणों की देखभाल, कैलिब्रेशन व ट्रबलशूटिंग, मरीज की स्थिति के अनुसार उचित पोजिशनिंग और तैयारी, इमरजेंसी एवं ट्रॉमा के मामलों में तत्काल इमेजिंग सहायता, रिपोर्टिंग में चिकित्सक को तकनीकी सहयोग, संक्रमण नियंत्रण और मरीज की सुरक्षा का ध्यान।

कोर्स की योग्यता : इस कोर्स में प्रवेश के लिए छात्र को 12वीं (फिजिक्स, कैमिस्ट्री, बायलोजी) विषयों के साथ न्यूनतम 50झ55 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होना आवश्यक है। प्रवेश एंट्रेंस टेस्ट के माध्यम से किया जाता है।

कोर्स की अवधि : बी.एससी. रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग टेक्नोलॉजी (बीएमआरआईटी) एक 4 वर्षीय डिग्री कार्यक्रम है- जिसमें 3 वर्ष का अकादमिक प्रशिक्षण व 1 वर्ष की अनिवार्य क्लीनिकल इंटर्नशिप शामिल है। इस दौरान विद्यार्थियों को रेडियोलॉजी विभाग, आईसीयू, आपातकालीन इकाइयों और सुपर-स्पेशियलिटी यूनिट्स में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

मालदा मंडल में ट्रैफिक पावर ब्लॉक के कारण ट्रेनों का नियंत्रण

साहिबगंज : मालदा मंडल अंतर्गत पिरपैंती रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म संख्या 1 व 2 के मध्य 12 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज एफओबी के निर्माण हेतु स्टील गर्डर लॉन्चिंग कार्य किया जाना प्रस्तावित है। उक्त कार्य के निष्पादन के लिए दिनांक 22फरवरी रविवार को पिरपैंती रेलवे स्टेशन की सभी लाइनों सहित साइडिंग पर 06 घंटे 10 मिनट प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 16:10 बजे तक का ट्रैफिक और पावर ब्लॉक निर्धारित किया गया है।परिणामस्वरूप निम्नलिखित ट्रेनों का संचालन इस प्रकार नियंत्रित रहेगा ट्रेनों का निरस्तीकरण73420 भागलपुर - साहिबगंज डेमू 63411/63412 साहिबगंज - भागलपुर साहिबगंज पैसेंजरट्रेनों का पुनर्निर्धारण 53403 रामपुरहाट - गया पैसेंजर को रामपुरहाट से 03 घंटे विलंब से पुनर्निर्धारित किया जाएगा।

नगरपालिका आम निर्वाचन के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन के लिए हुई बैठक

साहिबगंज : आगामी नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 के सफल शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने हेतु अनुमंडल पदाधिकारी साहिबगंज की अध्यक्षता में नगर परिषद साहिबगंज अंतर्गत सभी सेक्टर पदाधिकारियों एवं सेक्टर पुलिसपदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक में निर्वाचन से संबंधित सभी तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा की गई । विधि-व्यवस्था संधारण, मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता, संवेदनशील स्थलों की पहचान, सुरक्षा व्यवस्था, फ्लाइंग स्क्वॉड एवं स्टैटिक सर्विलांस टीम की सक्रियता सहित अन्य आवश्यक बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।अनुमंडल पदाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ सतर्कता एवं जवाबदेही के साथ दायित्व निर्वहन करने का निर्देश दिया, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न हो सके।जिला प्रशासन साहिबगंज द्वारा सभी मतदाताओं से अपील की गई है कि वे लोकतांत्रिक पर्व में बढ़-चढ़कर भाग लें तथा शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने में प्रशासन का सहयोग करें ।

स्थल जांच कर ऐप के माध्यम से डेटा अपलोड करना है : शंकर कुमार

साहिबगंज : प्रखंड सभागार साहिबगंज में मनरेगा के तहत एक दिवसीय बागवानी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।प्रखंड विकास पदाधिकारी ने प्रशिक्षण में आये सभी ग्राम रोजगार सेवक, बागवानी सखी को बागवानी योजना के क्रियान्वयन में निगरानी हेतु आवश्यक कार्य करने का निर्देश दिया।प्रशिक्षक के रूप में बीपीओ शंकर कुमार सहायक अभियंता राजीव कुमार,कनीय अभियंता नेहा कुमारी जेएसएलपीएस बीपीएम,बीपीओ ने सभी को बागवानी योजना से संबंधित बागवानी सखी ऐप के माध्यम से योजना की गुणवत्ता और क्रियान्वयन प्रक्रिया के संबंध में विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण दिया।इस क्रम में नए किसान का चयन,योजना के चयन पूर्व की गतिविधि,गड्ढा खुदाई के समय पौधा रोपाई के समय और पौधा रोपाई के बाद की विभिन्न बिंदु पर चर्चा की।बागवानी सखी द्वारा सभी योजना का भौतिक रूप से स्थल जांच कर ऐप के माध्यम से डेटा अपलोड करना है। इससे बागवानी योजना की उत्तरजीविता पर सकारात्मक प्रभाव होगा।इस दौरान प्रखंड मनरेगा एवं अन्य उपस्थित थे।

सामान्य प्रेक्षक ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

दुमका : नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 के सफल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर परिषद् दुमका क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक धीरेंद्र कुमार सिंह ने गुरुवार को विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया ।

निरीक्षण के क्रम में उन्होंने मतदान केंद्रों पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं पेयजल, शौचालय, बिजली, रैम्प, छाया, बैठने की व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। साथ ही मतदान कर्मियों हेतु की गई तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी मतदान केंद्रों पर निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आवश्यक सुविधाएं शत-प्रतिशत सुनिश्चित की जाएं, ताकि मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता राजीव कुमार, अंचल अधिकारी अमर कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

अपर समाहर्ता ने दिए सख्त निर्देश

देवघर : जिले के अपर समाहर्ता हीरा कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। साथ ही मौके पर जिलास्तर के सभी अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे, ताकि ऑन द स्पॉट समस्याओं का समाधान संबंधित विभाग द्वारा किया जा सके। इसके अतिरिक्त जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में भू-अर्जन व मुआवजा भुगतान से संबंधित, झारखण्ड मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना, अंचल व थाना से जुड़े मामलों को अपर समाहर्ता के समक्ष रखा। साथ ही अपर समाहर्ता द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा।

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति एवं जिला टास्क फोर्स की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह उपस्थित थे।बैठक में जिले में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। इसमें मुख्य रूप से मुख्यमंत्री कायाकल्प योजना मुख्यमंत्री अस्पताल प्रबंधन एवं अनुरक्षण

योजना आयुष्मान भारत योजना 15वां वित्त आयोग पीएम एसबीएच आईएम और बीपीएचयु से संबंधित बिंदुओं पर गहन चर्चा की गई।उपायुक्त ने सभी योजनाओं के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष बल देते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।बैठक में सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, जिले के सभी प्रखंडों के चिकित्सा पदाधिकारी सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।बैठक के अंत में उपायुक्त ने कहा कि जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों की सामूहिक जिम्मेदारी है तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया कराना प्राथमिकता : अमर जॉन

संवाददाता

साहिबगंज : अनुमंडल कार्यालय साहिबगंज के सभागार में आगामी मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 की तैयारियों की समीक्षा हेतु निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी 02-बोरिया अ ज जा विधानसभा - सह- अनुमंडल पदाधिकारी, साहिबगंज अमर जॉन आईन्द की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक में सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित संबंधित पदाधिकारी एवं बीएलओ पर्यवेक्षक उपस्थित रहे। बैठक के दौरान मतदाता सूची से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई, जिसमें धुंधली त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों का निराकरण, दस्तावेज सत्यापन

की स्थिति मतदाताओं का मैपिंग, प्रपत्रों का निष्पादन एएसडी सूची की तैयारी तथा श्रेणी ए, सी एवं डी के अंतर्गत मैप किए गए मतदाताओं की प्रगति शामिल रही।अनुमंडल पदाधिकारी महोदय ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर शत-प्रतिशत शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने पारदर्शिता, सतर्कता और समन्वय के साथ कार्य करने पर बल देते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।बैठक का समापन आवश्यक कार्ययोजना निर्धारण ए समयबद्ध अनुपालन के निदेशों के साथ हुआ।

25 प्रगतिशील किसानों को प्रशिक्षण के लिए कटक भेजा गया

संवाददाता

साहिबगंज : किसानों को धान की उन्नत खेती तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से कृषि विभाग आत्मा के तहत अप्रैल मे 25 प्रगतिशील किसानों के दल को पांच दिवसीय प्रशिक्षण के लिए सेंट्रल राइस रिसर्च इंस्टिट्यूट,कटक भेजा जा रहा है।जिसकी जानकारी जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का ने दी।उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को धान उत्पादन की आधुनिक एवं वैज्ञानिक विधियों,उन्नत बीज चयन रोग व कीट प्रबंधन,जल प्रबंधन तथा अधिक उपज देने वाली तकनीकों से अवगत कराना है।जिले के सभी प्रखंडों से दो-दो शिक्षित एवं प्रगतिशील किसानों का चयन किया गया है,ताकि वे

प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने-अपने गांवों में नई तकनीकों का प्रसार कर सकें। एक्का ने कहा कि वहाँ से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद किसान स्थानीय स्तर पर अन्य किसानों को भी जागरूक करेंगे।जिससे जिले में धान उत्पादन और गुणवत्ता दोनों में वृद्धि होगी।कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार इस पहल से किसानों की लागत घटेगी उपज बढ़ेगी और आय में सुधार होगा।आत्मा योजना के तहत आयोजित यह प्रशिक्षण किसानों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलने वाला साबित होगा।उन्होंने यह भी बताया कि यह प्रशिक्षण पूरी तरह निशुल्क होगा।किसानों के आने-जाने,भोजन और आवास की समुचित व्यवस्था विभाग की ओर से की जाएगी।

ग्राम प्रधान मांझी संगठन की आयोजित मासिक बैठक संपन्न

जामा : जामा प्रखंड मुख्यालय स्थित कला संस्कृति भवन में गुरुवार को ग्राम प्रधान मांझी संगठन की मासिक बैठक प्रखंड अध्यक्ष राजेन्द्र मरीक की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में झारखंड सरकार द्वारा लागू किए गए पेसा एक्ट को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान उपस्थित ग्राम प्रधानों एवं पदाधिकारियों ने पेसा कानून के तहत ग्राम सभा के अधिकार, पारंपरिक व्यवस्था की भूमिका और जनहित से जुड़े विषयों पर अपने-अपने विचार रखे। बैठक में आगामी 28 फरवरी को बांसकनाली दुमका में आयोजित होने वाले बहा पर्व को लेकर भी चर्चा की गई। संगठन की ओर से सभी ग्राम प्रधानों, नायकी एवं पारंपरिक पदधारकों को बहा पर्व में शामिल होने का आमंत्रण दिया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान विनय यादव, शिबू सोरेन, जिला कोषाध्यक्ष श्रीपति मंडल, मिसिल हांसदा, सुरेन्द्र राय, चुड़की मरांडी, बाबूधन हांसदा, सुखलाल सोरेन, बुदीलाल मरांडी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

मानव-वन्यजीव संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में विधिक जागरूकता अभियान चला

ग्रामीणों को कानूनी अधिकार व मुआवजा प्रक्रिया की जानकारी डालसा ने चलाया जागरूकता कार्यक्रम

न्याय सबके द्वार मानव-वन्यजीव संघर्ष पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पहल

संवाददाता

साहिबगंज : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण साहीबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में मानव-वन्यजीव संघर्ष से प्रभावित क्षेत्रों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के दौरान आमजन को उनके कानूनी अधिकारों मुआवजा प्राप्ति की प्रक्रिया तथा निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। डालसा टीम ने बताया कि मानव-वन्यजीव संघर्ष की स्थिति में पीड़ित व्यक्तियों को सरकार द्वारा निर्धारित नियमों के तहत आर्थिक सहायता प्राप्त करने का अधिकार है। इसके लिए आवश्यक दस्तावेज आवेदन प्रक्रिया एवं संबंधित विभागों से संपर्क की विधि भी समझाई गई। जबकि बैनर के माध्यम से टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार का कार्यालय के संपर्क नंबर 9471521725 की जानकारी दी गई, ताकि जरूरतमंद लोग सीधे संपर्क कर सकें। उपस्थित लोगों से अपील की गई कि किसी भी प्रकार की कानूनी समस्या दुर्घटना या विवाद की स्थिति में निःशुल्क विधिक सहायता का लाभ अवश्य लें। जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय की पहुँच सुनिश्चित करना विधिक जागरूकता के माध्यम से लोगों को सशक्त बनाना रहा।डालसा ने आश्वस्त किया कि भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि आमजन अपने अधिकारों के प्रति सजग रहकर न्यायिक सहायता का लाभ उठा सकें।

वार्ड नंबर 14 में विकास ने विकास को बनाया प्रमुख मुद्दा

संवाददाता

साहिबगंज : नगर परिषद चुनाव को लेकर वार्ड में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है।वार्ड नंबर 14 के बार्ड पार्षद उम्मीदवार विकास कुमार साह ने गुरुवार कि शाम को वार्ड संख्या 14 के विभिन्न मोहल्ले में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया।इस दौरान उन्होंने समर्थकों के साथ क्षेत्र का पैदल भ्रमण किया तथा घर-घर जाकर मतदाताओं से मुलाकात की।जनसंपर्क के क्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं,युवा और बुजुर्ग शामिल हुए।वार्डवासियों ने जलजमाव की समस्या,नियमित पेयजल आपूर्ति,स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था और स्वच्छता को लेकर अपनी चिंताएं व्यक्त कीं।विकास कुमार साह ने कहा कि नगर परिषद की व्यवस्था को पारदर्शी और जवाबदेह बनाना उनकी प्राथमिकता होगी।उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि जनता का आशीर्वाद मिला तो वार्ड स्तर पर नियमित निरीक्षण,साफ-सफाई की निगरानी और बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।उन्होंने यह भी कहा कि वार्ड के समग्र विकास के लिए जनभागीदारी आवश्यक है।वार्ड की आवाज ही मेरी आवाज होगी।वार्ड की हर समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।जनसंपर्क के दौरान समर्थकों ने चुनावी नारों के साथ माहौल को उत्साहपूर्ण बनाया।मौके पर अजय साह,राजेंद्र साह,विपिन साह,चंदन राम,छोटू पासवान,अर्जुन पासवान,गोलू साह,प्रिंस कुमार,नीलम कुमारी,नीतू देवी,गुंजा देवी,रेनू देवी,प्रभा दास साहित कई लोग मौजूद थे।

वॉलीबॉल का खिताब जिला स्कूल दुमका के नाम

संवाददाता

दुमका : हिजला मेला में गुरुवार को वॉलीबॉल के फाइनल मुकाबले में जिला स्कूल दुमका की टीम ने शिकारीपाड़ा को 02-01 के अंतर से परास्त कर इस वर्ष का खिताब जीत लिया ।वहीं खो-खो पुरुष वर्ग में पायोनियर मसलियों की टीम ने यूथ क्लब दुमका को 23-08 के अंतर से तथा महिला वर्ग में जोहर स्पोर्टिंग क्लब करबिंधा की टीम ने करविंधा बालिका टीम को 11 - 04 के अंतर से परास्तकार इस वर्ष चैंपियन बनी। कबड्डी पुरुष वर्ग के फाइनल मुकाबले में भाई सेवन की टीम ने तालझारी की टीम को 9 पॉइंट के अंतर से परास्त कर फाइनल जीत लिया,वहीं महिला वर्ग में युवा कबड्डी टीम ने एसपी कॉलेज दुमका को दो पॉइंट के अंतर से परास्त कर फाइनल का खिताब जीत लिया।

पुरुषों के लिए आयोजित 5000 मीटर की दौड़ में ब्रेन्टियुस मरांडी,अनिल मुर्मू राकेश मुर्मू,मुकेश हांसदा तथा कुमुद रंजन और महिलाओं के लिए आयोजित 3000 मीटर की दौड़ में शीलवंती सोरेन , संतरी हेंब्रम,बहामुनि हेंब्रम,बिजली हेंब्रम तथा पानवती हेंब्रम क्रमशः पहले,दूसरे,तीसरे, चौथे तथा पांचवें स्थान पर रहीं। 14 वर्ष से कम उम्र के बालकों के 200 मीटर दौड़ में धनाय मुर्मू ,आदित्य कुमार मुर्मू तथा आयुष कुमार इसी आयु वर्ग के बालिका वर्ग में बिजली हेंब्रम स्टेन्शिला मुर्मू तथा प्रेरणा मरांडी,पुरुष कुश्ती ओपन वर्ग में आशीष कुमार, वीरेंद्र टुडू तथा मिथिलेश केवट और ऑफिशियल 100 मीटर की दौड़ में वरुण कुमार,दीपक झा तथा विद्यापति

झा क्रमशः पहले दूसरे तथा तीसरे स्थान पर रहे। सभी विजेता खिलाड़ियों को आयोजन समिति के सदस्यों ने नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति के अध्यक्ष तूफान कुमार पोद्दार, सहसंयोजक उमाशंकर चौबे, ई.के.एन. सिंह,खो- खो संयोजक गोविंद प्रसाद, ऐथलेटिक्स संयोजक वरुण कुमार,कबड्डी संयोजक मो. हैदर हुसैन,ऑफिशियल संयोजक मदन कुमार,वॉलीबॉल संयोजक मुकेश कुमार,तीरंदाजी संयोजक देवीधन टूडू, आकर्षक खेल संयोजक अरविंद कुमार साह,भारोत्तोलन संयोजक जयराम शर्मा,गुलेल संयोजक संतोष कुमार गोस्वामी,पुरस्कार वितरण संयोजक विद्यापति झा सहित सदस्य क्रमशः निमायकांत झा,दीपक कुमार झा,ज्ञान प्रकाश,निर्मल हांसदा,विनय कुमार सिंह, विनोद राय,मुनका मनीष हेंब्रम,रंजीत कुमार मिश्रा,मो.शमशेर,विकास चंद्रवंशी,दिव्यानी राय,अमित कुमार,दाउद अली,इंद्रजीत गुप्ता,गौरव सिंह,सुशील हेंब्रम,राजेश हेंब्रम अग्नेश मुर्मू,असीम हेंब्रम, संतोष पटेल,सुंदर राणा,मनोज मुर्मू,मंतोष कुमार तिवारी, आशीष रंजन भारती,डॉ. रूपम कुमारी, नथनियल मरांडी, अब्दुल अफरोज, संजीव कुमार साह, प्रदीप झा,सोनाधन हेंब्रम, विनीत कुमार सिंह, फरीद खान, असीम हेम्ब्रम,प्रिंस राज सिंह,अफरीद खान, अमित कुमार पाठक,शंभू कुमार,भजन कुमार मंडल,बंशीधर पंडित, निक्की एंजल सोरेन तथा स्मृति मुर्मू आदि की भूमिका सराहनीय रही।

'इंडस्ट्री में हमेशा सम्मान मिला'

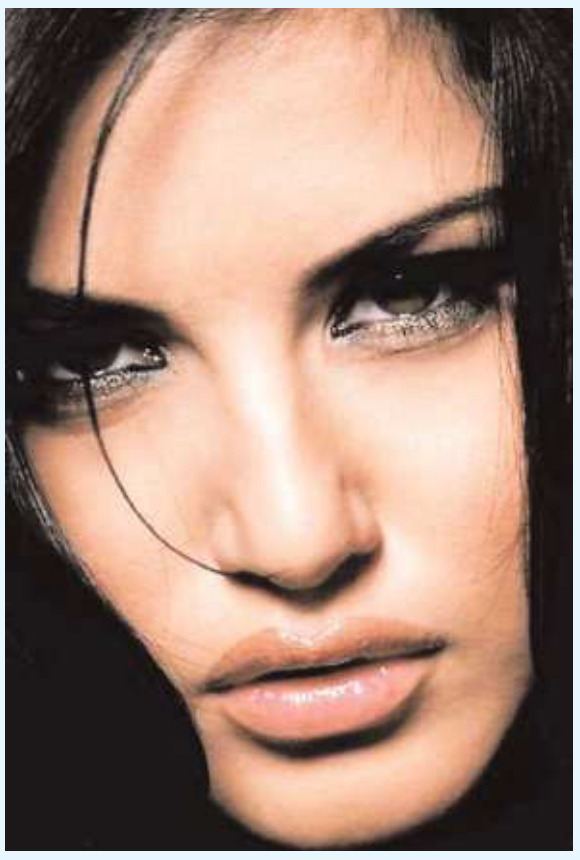

सनी लियोनी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कैनेडी' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित यह फिल्म जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। यह वही फिल्म है जो 2023 में कान फिल्म फेस्टिवल में दिखाई गई थी। फिल्म को कई इंटरनेशनल फेस्टिवल्स में काफी सराहना भी मिली है। अब फिल्म भारत में रिलीज को तैयार है। इस बीच खास बातचीत के दौरान सनी लियोनी ने इस फिल्म, अपने पंद्रह साल के सफर और अपनी बायोग्राफी पर भी चर्चा की।

फिल्म में आपने चार्ली का किरदार निभाया है। कैसा अनुभव रहा?

जब मैं अपने सफर पर नजर डालती हूं तो लगता है कि इतने वर्षों बाद भी 'कैनेडी' मेरे भीतर कहीं न कहीं जिंदा है। मुझे बहुत खुशी है कि यह फिल्म अब ऑडियंस के सामने आने वाली है। मैं इतने समय से इसे अपने भीतर लेकर चल रही थी। अब इसे लोगों तक पहुंचते देखना मेरे लिए बेहद भावुक क्षण है।

चार्ली का किरदार अपने आप में एक रहस्य जैसा था। इसमें कई परतें और कई तरह की ऊर्जा थीं। मुझे उसे खुद में उतारना था ताकि वह मेरा हिस्सा बन जाए। निर्देशक अनुराग कश्यप की आवाज और उनका समझाने का तरीका मेरे लिए मार्गदर्शन बनता था। हम रोज काम शुरू करने से पहले पढ़ते और सुनते थे। फिर समझते और कुछ नया खोजते थे।

फिल्म का कौन सा अनुभव सबसे खास रहा?

अनुराग सर ने मुझसे कहा था कि चार्ली की हंसी बिल्कुल वैसी ही चाहिए जैसी वह कल्पना कर रहे हैं। इस हंसी को अपने भीतर लाना मेरे लिए आसान नहीं था। मुझे हर जगह हंसना पड़ता था। कार और लिफ्ट में भी हंसना पड़ता था। सेट पर इतने लोग होते थे कि वे मुझे देखकर सोचते थे कि मैं क्यों हंस रही हूं। कई बार मुझे लगता था कि लोग मुझे पागल समझ रहे होंगे। सच कहूं तो यह बात मुझे और मजेदार लगती थी क्योंकि मुझे मस्ती करना पसंद है और यह चार्ली वाली मस्ती एक अलग तरह की आजादी देती थी। धीरे-धीरे वह हंसी मेरे भीतर बस गई। इससे मैं चार्ली को गहराई से महसूस कर पाई। ये बात मैं कभी भूल नहीं सकती।

क्या अनुराग कश्यप के सामने अपनी बात रखना आसान होता है?

अनुराग कश्यप के साथ काम करते हुए मैं हमेशा सुरक्षित महसूस करती थी। बाहर से लोग सोचते हैं कि वह गंभीर या कठोर होंगे। लोग उनकी फिल्मों या कहानियां देखकर उनके बारे में एक इंटेंस पर्सनालिटी की छवि बना लेते हैं।

पर असल में वह बहुत नरमदिल व्यक्ति हैं। उनके सामने बैठकर बात करते समय हमेशा लगता था कि मेरी बात को महत्व मिल रहा है। हर कलाकार को यह एहसास नहीं मिलता कि उसे सुना जा रहा है। उन्होंने मुझे वही बनने दिया जो मैं उस पल बनना चाहती थी। यही वजह है कि उनसे जुड़ा हर अनुभव मेरे दिल में खास जगह रखता है।

जब इस फिल्म को कान फिल्म फेस्टिवल में एंट्री मिली तो पहला रिएक्शन क्या था?

उस वक्त जो खुशी मिली थी उसे शब्दों में नहीं बांधा जा सकता। वहां मुझे एक छोटा सा कागज मिला था, जिसमें मेरी सीट का नंबर लिखा था। वही मेरे लिए सबसे बड़ा अवॉर्ड था। उस टिकट को मैंने आज भी एक किताब के भीतर संभाल कर रखा है।

क्या आपको लगता है कि आपकी बायोपिक का सेकंड पार्ट आना चाहिए ?

बिल्कुल, मेरी बायोपिक 'करणजीत कौरः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सनी लियोनी' 2018 में रिलीज हुई थी। उस वक्त प्रोडक्शन के कुछ मसलों के चलते इसका दूसरा भाग नहीं आ सका पर मेरी अपनी कहानी में अब भी बहुत सारे अध्याय बाकी है, जिन्हें दुनिया ने न देखा न सुना है। मौका मिला तो मैं अवश्य अपना जीवन फिर से खोलकर रखना चाहूंगी।

सफलता की सबसे बड़ी परिभाषा क्या है? अवॉर्ड्स कितने मायने रखते हैं?

मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यहां तक पहुंचूंगी। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में जब आप दूसरों की सफलताएं देखते हैं, तो मन में एक छोटी सी इच्छा उठती है। लगता है कि काश मुझे भी कोई ऐसा अवसर मिले जिसमें मुझे पहचान मिले। यह भावना हर कलाकार के भीतर होती है और मेरे भीतर भी थी। लेकिन मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि मैं एक दिन यहां बैठकर अपने प्रोजेक्ट के बारे में इस तरह बात करूंगी।

15 साल बाद आपकी सबसे बड़ी सीख क्या रही?

पंद्रह वर्ष इंडस्ट्री में बिताने के बाद मैं यह कह सकती हूं कि मुझे कोई भयावह अनुभव नहीं मिला। मेरे आसपास हमेशा ऐसे लोग रहे जिन्होंने मुझे सुरक्षा और सम्मान दिया। मेरे पति डेनियल वेबर हमेशा एक ढाल बनकर मेरे साथ खड़े रहे।

पेशेवर स्तर पर महामारी के बाद इंडस्ट्री में बहुत बदलाव आए। ऑडियंस अब दुनिया भर की कहानियां देखते हैं और कंटेंट को नए नजरिए से समझते हैं। मुझे लगता है कि भारत को वैश्विक सिनेमा की कतार में पहले की तुलना में और मजबूती से खड़ा होना चाहिए। यह देखकर बहुत संतोष होता है कि यह बदलाव अब हो रहा है। हमारे देश के दर्शक कहानियां अपनाने में बहुत उदार हैं।

भावुक जोनाथन ट्रॉट ने अफगानिस्तान के साथ अपने सफर को कहा अलविदा, संयोग से शुरू हुई थी कोचिंग यात्रा

एजेंसी

चेन्नई : अफगानिस्तान के मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट ने 2026 टी20 विश्व कप में टीम के अंतिम ग्रुप मुकाबले के बाद अपने कार्यकाल को भावुक अंदाज में अलविदा कहा। कनाडा के खिलाफ जीत के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में 44 वर्षीय ट्रॉट अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सके। उन्होंने स्वीकार किया कि अफगानिस्तान के साथ उनकी यात्रा ह्यसंयोग से शुरू हुईह्व, लेकिन यह अनुभव उनके जीवन के सबसे संतोषजनक अध्यायों में से एक रहा। अफगानिस्तान ने अपने अंतिम ग्रुप मैच में कनाडा को हराया। इस मुकाबले में इब्राहिम जदरान 95 रन की नाबाद पारी खेलकर प्लेयर ऑफ द मैच बने। उन्होंने अपना पुरस्कार कोच ट्रॉट को समर्पित किया और विदाई प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सामने बैठकर अपने कोच को भावुक होते देखा।

2022 में संभाली थी कमान जोनाथन ट्रॉट ने 2022 में अफगानिस्तान टीम की कमान संभाली थी। उन्होंने खुलासा किया कि मूल रूप से यह पद ग्राहम थॉर्प को संभालना था, लेकिन परिस्थितियों के चलते वह यह जिम्मेदारी नहीं ले सके। इसके बाद ट्रॉट को यह अवसर मिला। उन्होंने कहा, ह्यमुझे यह मौका संयोग से मिला। ग्राहम थॉर्प ने मेरे कोचिंग करियर के विकास में बड़ी भूमिका निभाई थी। जब यह जिम्मेदारी मिली तो मैंने इसे दोनों हाथों से स्वीकार किया और पूरी निष्ठा से काम किया।ह्व

उपलब्धियों से भरा रहा कार्यकाल

ट्रॉट ने अपने कार्यकाल की कई यादगार उपलब्धियों को याद किया। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान ने विश्व कप में पहली बार पाकिस्तान को हराया, इंग्लैंड को मात दी और पाकिस्तान, बांग्लादेश तथा दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमों के खिलाफ विदेशी सरजमीं पर द्विपक्षीय सीरीज जीती। ालांकि 2026 टी20 विश्व कप में टीम 2024 जैसी सफलता दोहराने में सफल नहीं रही, लेकिन ट्रॉट ने परिणामों से अधिक टीम के मानवीय विकास को अहम बताया। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने पहली बार इब्राहिम जदरान, अजमतुल्लाह उमरजई और रहमानुल्लाह गुरबाज जैसे खिलाड़ियों को देखा, तो उनकी प्रतिभा ने प्रभावित किया।

व्यक्तियों से टीम बनने का सफर

ट्रॉट ने बताया कि अफगानिस्तान की असली ताकत केवल उनके स्पिन गेंदबाज नहीं, बल्कि टीम के रूप में उनका विकास है। उन्होंने कहा कि जब वह पहली बार टीम के साथ आयरलैंड दौरे पर गए थे, तब उन्हें महसूस हुआ कि खिलाड़ियों में अपार प्रतिभा है, लेकिन उन्हें केवल संरचना और पेशेवर रवैये की जरूरत है। उन्होंने कहा, ह्यथोड़ी-सी संरचना, पेशेवर मानसिकता और उच्च मानक जोड़ने से बड़ा बदलाव आया। आज की टीम और पहले की टीम में जमीन-आसमान का अंतर है,ह्व ।

सीमित संसाधनों के बावजूद बड़ा प्रदर्शन

ट्रॉट ने यह भी रेखांकित किया कि अफगानिस्तान के खिलाड़ी सीमित संसाधनों में खेलते हैं। उनके पास स्थायी घरेलू मैदान, आधुनिक अकादमियां और बुनियादी ढांचे की वैसी सुविधाएं नहीं हैं जैसी अन्य बड़ी टीमों के पास हैं।

उन्होंने कहा, इन खिलाड़ियों को जो सुविधाएं मिलती हैं, उसकी तुलना में उनका प्रदर्शन अविश्वसनीय है। कई खिलाड़ियों को वह शिक्षा और प्रशिक्षण नहीं मिला जो मुझे मिला था, फिर भी वे 20 हजार दर्शकों के सामने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव संभालते हैं। मैं हर खिलाड़ी को सलाम करता हूं।

मैदान के बाहर भी बदली जिंदगी

ट्रॉट ने कहा कि उनके लिए सबसे बड़ी संतुष्टि यह देखना रहा कि खिलाड़ियों की जिंदगी मैदान के बाहर भी बदली है। उन्होंने कहा, इन खिलाड़ियों ने न केवल अपने खेल से, बल्कि अपने परिवारों की तकदीर बदलने की दिशा में भी कदम बढ़ाए हैं। युवा लड़कों को जिम्मेदार युवाओं में बदलते देखना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा,।

भविष्य पर नजर

अफगानिस्तान की बल्लेबाजी को लेकर पूछे गए सवाल पर ट्रॉट ने टीम में गहराई बढ़ाने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि भविष्य में अलग-अलग परिस्थितियों के लिए विविध विकल्प तैयार करना जरूरी है, जैसे बाएं-दाएं हाथ के संयोजन और अतिरिक्त बल्लेबाजी विकल्प।

म्यांमार के यांगून में दो मैत्री मैच खेलेगी भारतीय अंडर-17 पुरुष फुटबॉल टीम

नई दिल्ली : भारत की अंडर-17 पुरुष फुटबॉल टीम म्यांमार के यांगून में 3 और 5 मार्च 2026 को दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच खेलेगी। यह मुकाबले टीम की एएफसी अंडर-17 एशियाई कप सऊदी अरब 2026 की तैयारियों का हिस्सा हैं।

ब्लू कोल्ट्स के नाम से मशहूर भारतीय टीम इस वर्ष अब तक चार अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले खेल चुकी है। टीम ने गोवा में ताजिकिस्तान के खिलाफ दो और तुर्किये के अंताल्या में दो मैच खेले थे। तुर्किये दौरे से लौटने के बाद मुख्य कोच बिबियानो फर्नांडिस की टीम गोवा में ही अभ्यास कर रही है। भारतीय दल 28 फरवरी को म्यांमार की राजधानी यांगून के लिए रवाना होगा। भारत की तरह म्यांमार ने भी एएफसी अंडर-17 एशियाई कप सऊदी अरब 2026 के लिए क्वालीफाई किया है। म्यांमार ने क्वालीफायर के ग्रुप-सी में शीर्ष स्थान हासिल किया था। इस ग्रुप में ओमान, सीरिया, अफगानिस्तान और नेपाल जैसी टीमें शामिल थीं।

एएफसी अंडर-17 एशियाई कप सऊदी अरब 2026 में भारत को ग्रुप-डी में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला 6 मई को ऑस्ट्रेलिया, 10 मई को उज्बेकिस्तान और 13 मई को डीपीआर कोरिया से होगा।

जॉन अब्राहम को क्यों करना पड़ा आलोचना का सामना

जॉन अब्राहम ने हाल ही में बताया कि बॉलीवुड में बाहर से आने के कारण उन्हें बहुत आलोचना झेलनी पड़ी थी। यही नहीं जब वे फिल्मों में आए, तब इंडस्ट्री में बाहरी कलाकार बहुत कम थे। उससे पहले सिर्फ शाहरुख खान और अक्षय कुमार के अलावा कुछ ही स्टार्स बाहर से आकर कामयाब हुए थे।

स्क्रीन मास्टरक्लास में एक बातचीत के दौरान जॉन ने कहा, 'मेरे समय में शायद सबसे ज्यादा आलोचना मुझे ही मिली। मैंने इसे आसान बना लिया था। मैं सिर्फ आगे बढ़ने पर ध्यान देता था, जैसे आंखों पर पट्टी बांधकर दौड़ने वाला घोड़ा। मेरे पास कभी पब्लिसिस्ट नहीं रही और मैं किसी के भी आगे अपनी इमेज बनाने के चक्कर में नहीं पड़ता।' जॉन ने बताया कि वे दूसरे स्टार्स को प्रतियोगी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के साथी मानते हैं। उन्होंने अक्षय कुमार, शाहरुख खान, वरुण धवन और अभिषेक बच्चन के साथ अच्छे रिश्ते बनाए रखे हैं। उनका मानना है कि मेल कलाकारों के साथ काम करना उन्हें बहुत सहज लगता है। जॉन की आने वाली फिल्म बहरहाल, जॉन अभी एक अच्छी कॉमेडी फिल्म की

अभिषेक बच्चन ने शेयर की इन्वेस्टमेंट टिप्स

बॉलीवुड के सबसे चर्चित परिवारों में से एक, अमिताभ बच्चन और उनके बेटे अभिषेक बच्चन सिर्फ फिल्मों के ही नहीं, निवेश के मामले में भी काफी समझदार माने जाते हैं। हाल ही में ग्लोबल बिजनेस समिट में अभिषेक ने अपने पिता के निवेश करने के तरीके के बारे में खुलकर बात की।

सुरक्षित निवेश में विश्वास रखते हैं अभिषेक

अभिषेक ने बताया कि अमिताभ बच्चन हमेशा से ठोस और सुरक्षित निवेश में विश्वास रखते हैं, खासकर रियल एस्टेट और गोल्ड में। उन्होंने कहा कि उनके पिता की सोच सीधी है, 'जमीन है तो सब ठीक है।' यानी अगर आपके पास जमीन-जायदाद है, तो आपका भविष्य सुरक्षित है। अभिषेक ने हंसते हुए यह भी बताया कि वे खुद पहले गोल्ड में निवेश करते थे, लेकिन उनकी पत्नी ने एक दिन पूछा, 'सिर्फ गोल्ड ही क्यों, सिल्वर क्यों नहीं?' अभिषेक का कहना है कि वह उन्हीं चीजों में पैसा लगाना पसंद करते हैं, जिन्हें वह खुद इस्तेमाल करते हैं या जिन पर उन्हें भरोसा होता है। उनके मुताबिक, किसी भी निवेश की शुरुआत भरोसे और समझ से होनी चाहिए।

करीब 219 करोड़ की है रियल एस्टेट संपत्ति

रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रॉपर्टी कंसल्टेंसी फर्म स्क्वायर यार्ड्स के डेटा के मुताबिक, मुंबई में अभिषेक बच्चन की कुल रियल एस्टेट संपत्ति करीब 219 करोड़ रुपये बताई जाती है। यानी साफ है कि बच्चन परिवार सिर्फ शोहरत पर नहीं, समझदारी और सोच-समझकर किए गए निवेश पर भी भरोसा करता है।

प्रेग्नेंसी ग्लो से चमक उठा सुरभि ज्योति का चेहरा, ग्रीन सूट में फ्लॉन्ट किया बेबी बंप

टीवी जगत की मशहूर अभिनेत्री सुरभि ज्योति मां बनने वाली हैं। उन्होंने कुछ समय पहले ही इस बात की जानकारी दी थी। मंगलवार को अभिनेत्री ने बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए शानदार तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में सुरभि ग्रीन कलर के सूट में बेहद आकर्षक नजर आ रही हैं। उन्होंने अपना पूरा लुक काफी सिंपल और सुंदर रखा है। कान में हल्के झुमके, मामूली मेकअप, ढीली चोटी और

हाथ में फूल लिए हुए हैं। सबसे खास बात उनकी मुस्कान और चेहरे पर छाया प्रेग्नेंसी ग्लो है, जो देखते ही बनता है। उनकी तस्वीरों में बेबी बंप साफ दिख रहा है। सुरभि ने लिखा, 'जंगल में फूल की तरह धीरे-धीरे खिलना।' 'कुबूल है', 'नागिन' और 'इश्कबाज' जैसी लोकप्रिय सीरियल्स से मशहूर सुरभि ज्योति हमेशा से अपनी खूबसूरती और एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। प्रेग्नेंसी के समय अपने इस पोस्ट से भी वह अपनी स्टाइल और ग्रेस से फैंस का दिल जीत रही हैं। पोस्ट के बाद सुरभि के इंडस्ट्री के दोस्तों और कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कमेंट सेक्शन में प्यार और शुभकामनाओं की बौछार कर दी। कई लोगों ने हार्ट और फायर के इमोजी कमेंट किए। अभिनेत्री मौनी रॉय ने कमेंट करते हुए लिखा, 'कित्ती सुंदर लग रही है।' वहीं, अभिनेत्री आरती सिंह और अनीता हसनंदानी ने कमेंट सेक्शन पर हार्ट इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। बता दें कि सुरभि ने अपनी प्रेगनेंसी की आधिकारिक घोषणा कुछ समय पहले ही की थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी प्रेग्नेंसी का इशारा करते हुए तस्वीर पोस्ट की थी। इसी के साथ अभिनेत्री ने बताया था कि उनके घर पर नन्हा मेहमान जून में आने वाला है। सुरभि और अभिनेता सुमित सूरी ने 5 साल तक एक दूसरे को डेट करने के बाद उत्तराखंड के जिम कॉर्बेट में एक भव्य और यादगार समारोह में शादी की थी। हालांकि, शादी से पहले किसी को दोनों के रिश्ते के बारे में नहीं पता था। रिश्ता शुरू होने के बाद से ही वे काफी प्राइवेट रहे और अपने रिश्ते को लेकर कभी सामने नहीं आए थे। अब जून में ये कपल अपने बच्चे का स्वागत करेंगे।

बेटे की जिंदगी का पहला शो नहीं देख पाए अक्षय कुमार के माता-पिता

अक्षय कुमार 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' और 'मोहरा' जैसी फिल्मों के बाद रातोंरात मशहूर हो गए। इसी दौरान उन्होंने अपना पहला स्टेज परफॉर्मेंस दिया और अपने माता-पिता को इसे लाइव देखने के लिए बुलाया। हालांकि, वह अपने बेटे का पहला लाइव परफॉर्मेंस नहीं देख पाए थे। जिसकी वजह से अक्षय को काफी शर्मिंदा होना पड़ा था। अक्षय कुमार ने अपने रियलिटी शो व्हील ऑफ फॉर्च्यून के एक एपिसोड में पुरानी घटना को याद करते हुए बताया कि यह बात तब की है जब अक्षय ने 'मोहरा' फिल्म के आसपास पंजाब में अपना पहला बड़ा स्टेज परफॉर्मेंस किया था। उन्होंने अपने माता-पिता को शो देखने के लिए बुलाया। पहले उन्होंने कहा कि शो पीछे बैठकर देख लो, लेकिन माता-पिता ने आगे बैठकर देखने की जिद की। तब अक्षय ने उन्हें टिकट तो दिला दी थी। लेकिन इसके बावजूद वह शो नहीं देख पाए। अक्षय को यह बहुत शर्मिंदगी हुई।

पिता के नाम पर रखा प्रोडक्शन हाउस

अक्षय ने अपने पिता हरि ओम भाटिया की याद में अपना प्रोडक्शन हाउस हरि ओम एंटरटेनमेंट नाम रखा। उनके पिता 2000 में प्रोस्टेट कैंसर से गुजर गए।

अक्षय ने उनकी स्मृति में पुलिसकर्मियों के लिए हरि ओम कैंसर शेल्टर भी शुरू किया। उनकी मां अरुणा भाटिया 2021 में उम्र से जुड़ी बीमारियों के कारण चल बसीं।

क्यों बेटे की पहली स्टेज परफॉर्मेंस नहीं देख पाए अक्षय के माता-पिता?

पंजाब में उस समय 'पहले आओ, पहले सर्विस' का नियम था। जब अक्षय के माता-पिता वहां पर पहुंचे, तो हॉल पूरी तरह भर चुका था। गार्ड ने टिकट देखकर भी उन्हें अंदर नहीं जाने दिया। जब उनके पिता ने गार्ड को बताया कि अंदर परफॉर्म करने वाला उनका बेटा है, तो गार्ड को लगा कि वे नशे में हैं। इस वजह से वे अंदर नहीं जा सके और घर वापस चले गए। अक्षय उस समय स्टेज पर नाच रहे थे, लेकिन उन्हें कहीं नहीं देख पा रहे थे। मोबाइल फोन भी नहीं थे उस समय, इसलिए वे संपर्क भी नहीं कर पाए।

मप्र में बोर्ड पैटर्न पर आज से शुरू होंगी कक्षा 5वीं और 8वीं की परीक्षाएं

भोपाल : मध्य प्रदेश में बोर्ड पैटर्न पर कक्षा 5वीं और 8वीं की परीक्षाएं आज शुक्रवार से शुरू हो रही हैं। इसके लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। इस साल करीब 24.90 लाख छात्र इन परीक्षाओं में बैठेंगे। पूरे प्रदेश में कुल 12 हजार 920 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा परीक्षा केन्द्रों पर केन्द्राध्यक्ष, सहायक केन्द्राध्यक्ष की नियुक्ति की गई है। छात्रों को परीक्षा केंद्र पर कम से कम 30 मिनट पहले पहुंचना होगा। विभाग ने बच्चों की सुविधा के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। हर केंद्र पर सुरक्षा और अनुशासन का पूरा ध्यान रखा जाएगा। विद्यार्थियों को समय का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी गई है। मप्र राज्य शिक्षा केंद्र ने 5वीं और 8वीं की परीक्षा को पारदर्शी बनाने के लिए एक विशेष आईटी पोर्टल तैयार किया है। इस बार परीक्षाओं में भाषा के चयन को लेकर विशेष नियम लागू किए गए हैं। पहली भाषा हंदी/उर्दू/मराठी: अगर किसी छात्र ने पहली भाषा के तौर पर हिंदी, उर्दू या मराठी को चुना है, तो उसे दूसरी भाषा के रूप में अंग्रेजी लेना जरूरी होगा। जिन छात्रों की पहली भाषा अंग्रेजी है, उनके लिए दूसरी भाषा हिंदी पढ़ना अनिवार्य कर दिया गया है। राज्य के 522 निजी स्कूलों के लिए इस बार अलग व्यवस्था है। उनके पेपर एनसीईआरटी सिलेबस के आधार पर अलग से तैयार किए गए हैं।

मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 नई दिल्ली में होंगे शामिल

प्रमुख वैश्विक तकनीकी कंपनियों से करेंगे वन-टू-वन चर्चा

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शुक्रवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 में शामिल होंगे। समिट में वे उच्च-स्तरीय पैनल से चर्चा करेंगे। इसमें राज्य स्तर पर एआई के उपयोग से आर्थिक विकास को गति देने, डिजिटल सुशासन को सशक्त बनाने और मजबूत अवसंरचना विकसित करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। जनसम्पर्क अधिकारी जूही श्रीवास्तव ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव एआई कंप्यूटिंग, सायबर सुरक्षा संरचना, क्लाउड इको सिस्टम, जनरेटिव एआई एकीकरण और डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में अग्रणी प्रमुख वैश्विक तकनीकी कंपनियों के साथ वन टू वन बैठक भी करेंगे। बैठक में एडवांस्ड सेमीकंडक्टर ऐक्सीलरेशन, क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा सेंटर और सॉवरेन एआई मॉडलिंग जैसे विषयों पर विचार-विमर्श होगा। मुख्यमंत्री टियर-2 शहरों से उभर रहे स्टार्ट-अप और नव प्रवर्तकों से भी मुलाकात कर उनके एआई आधारित कार्यों की जानकारी लेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, समिट में मध्य प्रदेश पेवेलियन हॉल 4, प्रथम तल, बूथ संख्या 4ऋ32 और 4ऋ34 में ॑एआई इनेबल्ड गवर्नेंस फॉर ऐन एम्पावर्ड भारतद्ध थीम पर लगाया गया है। इसमें 14 एआई स्टार्ट-अप, आईआईटी इंदौर और आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन जैसे शैक्षणिक संस्थान और 4 प्रमुख शासकीय विभाग शामिल हैं। मध्यप्रदेश पेवेलियन में धरातल पर लागू किए जा चुके एआई समाधान प्रदर्शित किए जा रहे हैं। यह पेवेलियन दर्शाता है कि पारदर्शिता बढ़ाने, सेवाएं समय पर पहुंचाने और बेहतर निर्णय लेने के लिए एआई का उपयोग शासन व्यवस्था में कैसे किया जा रहा है। मध्य प्रदेश का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, एमपीएसईडीसी के सहयोग से, इस राष्ट्रीय मंच पर राज्य की योजनाबद्ध और लक्ष्य-आधारित एआई पहलों को प्रस्तुत कर रहा है।

बरेली में होली से पहले बड़ा खुलासा : पास्ता मसाला में फंगस, मिर्च में जहरीला रंग, दीपक स्वीट्स समेत कई के घी-तेल भी फेल

एजेंसी

बरेली : रंगों के त्योहार से ठीक पहले शहर में खाने-पीने की चीजों को लेकर चौंकाने वाला सच सामने आया है। खाद्य सुरक्षा टीम की जांच में पास्ता मसाला से लेकर मिर्च पाउडर, चायपत्ती, भुना चना, रिफाइंड तेल और घी तक में गंभीर खामियां मिलीं। कई नमूने अधोमानक तो कुछ सीधे असुरक्षित पाए गए। रिपोर्ट ने बाजार की सच्चाई उजागर कर दी है और अब सवाल यह है कि त्योहार पर लोगों की थाली में आखिर क्या परोसा जा रहा था।

परसाखेड़ा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित मै० एच.एन. फूड प्रोडक्ट्स से लिया गया ह्यचटपटा पास्ता मसालाद्ध का नमूना लैब में अधोमानक और असुरक्षित घोषित किया गया। जांच में उसमें लम्प्स और फंगल ग्रोथ पाई गई, यानी साफ तौर पर खाने लायक नहीं। इसी तरह श्यामगंज स्थित मै० मूर्ति इंटरप्राइजेज से लिए गए भुने चने के नमूने में औरामाइन रंग मिला, जो खाद्य पदार्थों में पूरी तरह प्रतिबंधित है। लैब ने इसे असुरक्षित करार दिया है। त्योहार के मौसम में इस तरह का जहर खुलेआम बिकता रह। इज्जतनगर स्थित मै० मुल्ला जी चावल वाले की दुकान से लिए गए सप्तऋषि ब्रांड के धनिया और हल्दी पाउडर के नमूने अधोमानक पाए गए। वहीं इसी प्रतिष्ठान से लिया गया तीखा मिर्च पाउडर (सप्तऋषि ब्रांड) असुरक्षित घोषित हुआ, जिसमें सूडान-2 और सूडान-3 जैसे खतरनाक रंग मिले। ये रंग कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से जुड़े माने जाते हैं। चाय के शौकीनों के लिए भी झटका कम नहीं है। शहदाना श्यामगंज स्थित मै० रिच इंडिया टी प्रा.लि. की एटीसी ब्रांड चायपत्ती में सनसेट यलो रंग पाया गया, जिसे लैब ने अधोमानक और असुरक्षित घोषित किया है। नारियावल रोड स्थित मै० बाला जी ट्रेडर्स से लिए गए ह्यराजहंस हेल्थ रिफाइंड सोयाबीन ऑयलद्ध का नमूना अधोमानक निकला। वहीं 87, सिविल लाइंस स्थित मै० दीपक स्वीट्स एंड आइसक्रीम प्रा.लि. से लिए गए घी के नमूने भी मानकों पर खरे नहीं उतरे। त्योहार में मिठास घोलने वाली चीजों में ही मिलावट का खेल उजागर हो गया।

योगी सरकार प्रदेश के सभी मछुआ बाहुल्य गांवों में उत्सव घर का कराएगी निर्माण

एजेंसी

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश की योगी सरकार मछुआ समाज की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए प्रयास कर रही है। इसी क्रम में प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा में मछुआ बाहुल्य गांवों में उत्सव घर का निर्माण कराएगी। यह जानकारी शुक्रवार को प्रयागराज मत्स्य विभाग के कार्यकारी प्रभारी विजय प्रकाश शुक्ल ने दी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार मछुआ कल्याण कोष योजना के तहत प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में मछुआ बाहुल्य ग्राम सभाओं में उत्सव घर का निर्माण कराएगी। यह निर्माण प्रत्येक जनपद में कार्यदाई संस्था द्वारा कराया जाएगा। इसी क्रम प्रयागराज जिले के सभी विकासखंडों से ऐसे गांवों की सूची तैयार करने के साथ ही चयनित गांवों में उत्सव घर निर्माण कराने के लिए जमीन उपलब्ध कराने की सूचना मांगी गई है। जिसके लिए मत्स्य विभाग ने सभी विकासखंडों को पत्र भेज दिया गया है। सूची उपलब्ध होने के बाद जिलाधिकारी द्वारा डीएलसी की बैठक होगी।

सैमसंग इंडिया ने अपने अगले एआई स्मार्टफोन को 'प्री-रिजर्व' करने वाले ग्राहकों के लिए विशेष लाभों की घोषणा की

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : 19 फरवरी, 2026 - भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज अपने आगामी एआई स्मार्टफोन को प्री-रिजर्व करने वाले ग्राहकों के लिए विशेष लाभों की घोषणा की। प्री-रिजर्व करने वाले ग्राहकों को 256GB से 512GB तक का मेमोरी अपग्रेड मुफ्त (कॉम्प्लिमेंट्री) दिया जाएगा। सैमसंग का अगला एआई फोन 25 फरवरी को सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया में आयोजित होने वाले 'गैलेक्सी अनपैक्ड' इवेंट में पेश किया जाएगा। ग्राहक 25 फरवरी तक 999 रुपये की रिफंडेबल टोकन राशि जमा करके नए गैलेक्सी एस सीरीज डिवाइस को प्री-रिजर्व कर सकते हैं। प्री-रिजर्वेशन की सुविधा Samsung.com, सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स, Amazon.in, Flipkart.com और देशभर के प्रमुख रिटेल आउटलेट्स पर उपलब्ध है।

स्टोरेज अपग्रेड के अलावा, प्री-रिजर्व करने वाले ग्राहकों को नया गैलेक्सी एस सीरीज डिवाइस खरीदने पर 2,699 रुपये मूल्य के अतिरिक्त लाभ भी मिलेंगे। नई गैलेक्सी एस सीरीज को रोजमर्रा के कामकाज को आसान बनाने, आत्मविश्वास बढ़ाने और डिवाइस हाथ में लेते ही 'गैलेक्सी एआई' को सहजता से अनुभव करने के लिए तैयार किया गया है।

सैमसंग जल्द पेश करेगा सहज गैलेक्सी कैमरा अनुभव; अब कंटेंट बनाना होगा और भी आसान

रांची : दिन में खिंची गई फोटो को कुछ ही सेकंड में 'नाइट मोड' जैसा लुक देना हो, तस्वीर से गायब हिस्सों को वापस जोड़ना हो (जैसे केक का कटा हुआ हिस्सा ठीक करना), या कई तस्वीरों को मिलाकर एक शानदार इमेज बनानी हो—अब यह सब बेहद आसान होने वाला है। पहले इस तरह की एडिटिंग के लिए पेशेवर कौशल (प्रोफेशनल स्किल्स) या घंटों की मेहनत की जरूरत होती थी। लेकिन अब, आप अपने गैलेक्सी फोन पर बस कुछ शब्दों में अपनी जरूरत बताकर मिनटों में यह काम कर सकेंगे

छोटे हाथ, बड़े सपनों के 22 साल-यूवा मास्टरस्ट्रोक 2025

✔ केजी से कक्षा 10 तक, 6,600 स्कूलों के युवा कलाकारों ने यह साबित किया कि रचनात्मकता की कोई सीमा नहीं होती

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : नवनीत एज्युकेशन लिमिटेड के यूवा ने यूवा मास्टरस्ट्रोक के अपने 22वें संस्करण के सफल आयोजन की घोषणा की है। यह एक अखिल भारतीय ड्रॉइंग प्रतियोगिता है, जिसका आयोजन अगस्त से दिसंबर के बीच किया गया। इस प्रतियोगिता के माध्यम से केजी से लेकर कक्षा 10 तक के विद्यार्थियों को ड्रॉइंग के जरिए अपनी रचनात्मकता, कल्पनाशीलता और विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने का मंच मिलता है। दो दशक से अधिक पहले शुरू हुई यह पहल आज एक व्यापक रचनात्मक मंच के रूप में स्थापित हो चुकी है। 2025 संस्करण को देशभर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। इसमें भारत के 6,600 से अधिक स्कूलों के 20 लाख से ज्यादा विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। यह पहल केवल प्रतिभा को पहचान देने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य छात्रों के बीच ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देना है, जहाँ वे कला की सार्वभौमिक भाषा के माध्यम से अपने विचारों और भावनाओं को सहज रूप से अभिव्यक्त कर सकें।

प्रतिभागियों को आयु के आधार पर तीन अलग-अलग समूहों में विभाजित किया गया था

- ✔ ग्रुप ए : केजी से कक्षा 3 तक
- ✔ ग्रुप बी : कक्षा 4 से कक्षा 6 तक
- ✔ ग्रुप सी : कक्षा 7 से कक्षा 10 तक

यूवा मास्टरस्ट्रोक 2025 के प्रत्येक आयु समूह के विजेताओं की घोषणा आधिकारिक वेबसाइट पर की गई है

https://masterstrake.»»favfeet.com/

जिला स्तर पर प्राप्त प्रविष्टियों का मूल्यांकन श्री भारत पार्टे के मार्गदर्शन में किया गया। जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट से जुड़ी उनकी पृष्ठभूमि और वर्षों के अनुभव ने इस प्रक्रिया को विशेष गहराई दी। उन्होंने केवल चित्रों का मूल्यांकन ही नहीं किया, बल्कि प्रतियोगिता की समग्र भावना को भी एक नई दिशा दी। विजेता अपने-अपने क्षेत्रों में रचनात्मकता की सर्वोच्च झलक प्रस्तुत करते हैं। इन प्रतिभाशाली छात्रों तक पुरस्कार और आधिकारिक सम्मान समय पर पहुँचें, इसके लिए यूवा, स्कूल प्रशासन और स्थानीय सेल्स टीमों के साथ मिलकर लगातार काम कर रहा है। अब तक 40,000 से अधिक विजेताओं को उनके गिफ्ट हैम्पर्स वितरित किए जा चुके हैं। के विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से जिला स्तर के राउंड आयोजित किए गए थे। प्रत्येक स्कूल से चुनी गई सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियों की गहन समीक्षा के बाद, यूवा ने हर जिले में प्रत्येक समूह से एक विजेता का चयन किया। इस अवसर पर यूवा के चीफ स्ट्रैटेजी ऑफिसर अभिजीत सान्याल ने कहा, ह्लमास्टरस्ट्रोक बच्चों को अपनी रचनात्मकता पर गर्व करने का अवसर देता है। इस वर्ष 6,600 से अधिक स्कूलों के जुड़ने से पूरी पहल में एक अलग ही उत्साह देखने को मिला। हम केवल चित्रों को नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के विचारों, सपनों और कलात्मक सोच को सामने ला रहे हैं।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी, सेंसेक्स 122 अंक उछला

एजेंसी

नई दिल्ली : हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का सिलासिला जारी है। कारोबार की शुरूआत में घरेलू शेयर बाजार लाल निशान पर खुला। हालांकि, बाद में खुद को संभालते हुए हरे निशान पर आ गया है। दोनों सूचकांक में फिलहाल तेजी कायम है। बॉम्बे स्टॉक एक?सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 121.68 अंक यानी 0.15 फीसदी की उछाल के साथ 82,619.82 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 45.85 अंक यानी 0.18 फीसदी बढ़त के साथ 25,500.20 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। बाजार में आज के कारोबार में आईटी शेयरों में बिकवाली है। वहीं, सरकारी बैंकों के शेयरों में खरीदारी है। इसके अलावा शुरूआती कारोबार में भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 27 पैसे गिरकर 90.95 के स्तर पर आ गया है। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले गुरुवार को बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स तीन सत्रों से जारी तेजी पर विराम लगाते हुए 1236.11 अंक यानी 1.48 फीसदी लुढ़ककर 82,498.14 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला निफ्टी 365.00 अंक यानी 1.41 फीसदी टूटकर 25,454.35 पर बंद हुआ था।

स्वास्थ्यकर्मियों की चयन प्रक्रिया संपन्न : डॉ. सुदीप्त राय

कोलकाता : श्रीरामपुर के विधायक और पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य भर्ती बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सुदीप्तो राय ने गुरुवार देर रात सोशल मीडिया पर पोस्ट कर राज्य में स्वास्थ्य कर्मियों की भर्ती प्रक्रिया पूरी होने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) के माध्यम से कुल 7,423 चयनित अभ्यर्थियों की पैनल सूची प्रकाशित कर दी गई है और पूरी भर्ती प्रक्रिया महज छह महीनों में संपन्न हुई है। दडॉ. राय के अनुसार, बीते कुछ महीनों में जिन पदों की पैनल सूची जारी की गई है, उनमें जनरल ड्यूटी मेडिकल ऑफिसर (जीडीएमओ) के 1,132 पद, असिस्टेंट प्रोफेसर के 416 पद और स्टाफ नर्स ग्रेड-2 (बीएससी) के 2,611 पद शामिल हैं। इसके अलावा जीएनएम नर्सिंग में कुल 3,264 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है, जिनमें 2,831 महिलाएं और 433 पुरुष शामिल हैं। उन्होंने आगे बताया कि फार्मासिस्ट के 350 पदों और मेडिकल टेक्नोलॉजिस्ट के 807 पदों पर भर्ती प्रक्रिया अगले बुधवार तक पूरी कर ली जाएगी। डॉ. सुदीप्तो राय ने सभी सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

न्यूज IN ब्रीफ

शीत विदाई के बीच बारिश की संभावना, बंगाल में बदलेगा मौसम का मिजाज

कोलकाता : शीत ऋतु की विदाई के साथ ही राज्य में मौसम का मिजाज बदलता नजर आ रहा है। अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है, जबकि भोर के समय हल्की ठंडक अब भी महसूस की जा रही है। ऐसे में आगामी दिनों में मौसम कैसा रहेगा, इसे लेकर लोगों की उत्सुकता बढ़ गई है। अलीपुर मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को कोलकाता में दिन का तापमान लगभग 30 डिग्री और रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा। हालांकि अगले दो दिनों में दक्षिण बंगाल के जिलों में तापमान दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। इसके बाद तीन दिनों तक तापमान में विशेष वृद्धि की संभावना नहीं है। उत्तर बंगाल के दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी और कूचबिहार जिलों में कोहरे की संभावना अपेक्षाकृत अधिक बताई गई है। वहीं दक्षिण बंगाल के किसी भी जिले में घने कोहरे की कोई संभावना नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार 24 फरवरी को पूर्व मेदिनीपुर जिले के एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। शुक्रवार को कोलकाता का न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.3 डिग्री कम है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 0.6 डिग्री अधिक है। इस दिन वायुमंडल में आर्द्रता का अधिकतम स्तर 78 प्रतिशत तथा न्यूनतम 33 प्रतिशत दर्ज किया गया। आगामी कुछ दिनों में कोलकाता के तापमान में अधिक उतार-चढ़ाव की संभावना नहीं है। उत्तर बंगाल के जिलों में भी तापमान में हल्की वृद्धि दर्ज की जा सकती है।

पुरुलिया में विस्फोट की घटना को लेकर भाजपा के निशाने पर ममता सरकार, एनआईए जांच की मांग

कोलकाता : भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित मालवीय ने गुरुवार देर रात सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सद्ध पर पोस्ट कर पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के शासन में ह्लबम बनाना ही एकमात्र फलता-फूलता उद्योग बन गया है। मालवीय ने कहा कि पुरुलिया के वार्ड नंबर 21 स्थित कपूर बागान इलाके में हुए भीषण विस्फोट और उसके बाद लगी आग से इलाके के लोग दहशत में हैं। स्थानीय सूत्रों के हवाले से उन्होंने दावा किया कि घटनास्थल पर अवैध रूप से बम बनाने का काम चल रहा था। इस हादसे में तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। भाजपा नेता ने कहा कि पुरुलिया के लोगों को इस घटना पर जवाब मिलनी चाहिए। उन्होंने बताया कि भाजपा सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो ने पूरे मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जांच की मांग की है। अमित मालवीय ने सवाल उठाया कि क्या इस बार भी गृह विभाग संभाल रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ह्लतकनीकी बहानोंह्व की आड़ में सच्चाई से बचने की कोशिश करेंगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता और इस विस्फोट के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उन्हें कड़ी सजा दी जानी चाहिए।

यमुनानगर: महिला पर बच्चों को ले जाने की कोशिश का आरोप, सतर्कता से टली बड़ी वारदात

यमुनानगर : यमुनानगर में किराये के मकान में रह रहे उत्तर प्रदेश मूल के एक परिवार के दो मासूम बच्चों को कथित रूप से बहला-फुसलाकर अपहरण का प्रयास करने का मामला सामने आया है। गुरुवार की दोपहर लापता हुए बच्चे देररात मिल गए। एक बच्चे की तबीयत बिगड़ने के कारण चिकित्सकीय जांच करानी पड़ी। परिवार के अनुसार 12 वर्षीय दीपक और 9 वर्षीय दीपांशु गुरुवार दोपहर को घर के बाहर खेलते समय अचानक लापता हो गए। बच्चों की मां पास ही रिश्तेदारी में गई हुई थी। लौटने पर दोनों घर पर नहीं मिले तो आसपास तलाश शुरू की गई। काफी खोजबीन के बाद भी कोई जानकारी नहीं मिलने पर पिता सुनील को फैक्टरी में सूचना दी गई। इसके बाद परिजन और मोहल्ले के लोग बच्चों की तलाश में जुट गए। बच्चों ने बताया कि वे मस्जिद के समीप खेल रहे थे, तभी एक अज्ञात महिला उनके पास आई। आरोप है कि उसने छोटे बच्चे को अपने साथ ले जाने का प्रयास किया और उसके चेहरे पर रुमाल रखने की कोशिश की। बड़े भाई ने विरोध करते हुए महिला के हाथ पर काट लिया, जिसके बाद दोनों वहां से भाग निकले। बच्चों का कहना है कि महिला कुछ दूरी तक उनका पीछा करती रही। घबराए बच्चे गलियों में भटकते हुए रास्ता भूल गए और देर रात घड़ी रोड क्षेत्र में लोगों से मदद मांगते हुए घर पहुंचे। दीपांशु हल्की बेहोशी की स्थिति में मिला, जिसे तुरंत चिकित्सक के पास ले जाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों बच्चों को खतरे से बाहर बताया है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने बच्चों और परिजनों से पूछताछ कर जांच शुरू कर दी है।

शुभेंदु अधिकारी ने बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार साव की पुनर्बहाली पर जताई खुशी, अमित शाह को दिया धन्यवाद

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार देर रात सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए जानकारी दी कि पश्चिम बंगाल के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान पूर्णम कुमार साव को बीएसएफ में पुन: बहाल कर दिया गया है। उन्होंने इस फैसले पर गहरी खुशी व्यक्त की। शुभेंदु अधिकारी ने बताया कि 23 अप्रैल को पाकिस्तानी सेना द्वारा जवान पूर्णम कुमार साव को हिरासत में लिया गया था। बाद में भारतीय सेना और केंद्र सरकार के प्रयासों से उनकी सुरक्षित वापसी संभव हो सकी। सेना के नियमों और प्रक्रियाओं के तहत उन्हें तत्काल ड्यूटी पर बहाल नहीं किया गया था, लेकिन उनकी अपील पर विस्तृत विचार-विमर्श और उनके लंबे सेवा रिकॉर्ड के मूल्यांकन के बाद उन्हें उनके पुराने पद पर पुनर्बहाल करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि पूर्णम कुमार साव को तुरंत बीएसएफ की 24वीं बटालियन में दोबारा योगदान देने की अनुमति दे दी गई है। नेता प्रतिपक्ष ने इस पूरे मामले में समय पर हस्तक्षेप करने के लिए देश के गृह मंत्री अमित शाह के प्रति पश्चिम बंगाल की जनता की ओर से आभार और कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सीमा की रक्षा करने वाले जवानों के साहस और बलिदान को सम्मान देने से सुरक्षा बलों का मनोबल और अधिक मजबूत होता है। पोस्ट के अंत में शुभेंदु अधिकारी ने देशभक्ति का संदेश देते हुए लिखा— जय हिंद

यमुनानगर: गोवंश मुक्त शहर का दावा, सड़कों पर अब भी पशु बने खतरा

यमुनानगर : शहरी निकाय विभाग की हालिया समीक्षा रिपोर्ट में यमुनानगर, रादौर और साढौरा को लावारिस गोवंश से मुक्त घोषित किया गया है, लेकिन स्थानीय स्तर पर सामने आ रही तस्वीर सरकारी दावों से अलग नजर आ रही है। प्रमुख मार्गों, बाजार क्षेत्रों और संपर्क सड़कों पर अब भी बड़ी संख्या में आवारा गोवंश दिखाई देने से नागरिकों की चिंता बढ़ गई है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार यमुनानगर में 1,713 गोवंश को पकड़कर गोशालाओं तक पहुंचाया गया है। रादौर और साढौरा में भी नियंत्रण व्यवस्था को संतोषजनक बताया गया है। इसके बावजूद शहरों के कई व्यस्त इलाकों में पशुओं की मौजूदगी लगातार देखी जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दिन के समय बाजारों और चौक-चौराहों पर झुंड के रूप में बैठे गोवंश यातायात बाधित करते हैं, जबकि रात के समय हाईवे और मुख्य सड़कों पर दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। नागरिकों के अनुसार अचानक सड़क पर आ जाने वाले पशुओं के कारण कई वाहन चालक हादसों से बाल-बाल बच चुके हैं। वही व्यापारियों का कहना है कि दुकानों के सामने बैठे गोवंश ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित करते हैं और कई बार सामान को भी नुकसान पहुंचता है। उनका आरोप है कि अभियान समय-समय पर चलाए जरूर जाते हैं, लेकिन स्थायी समाधान दिखाई नहीं देता। नगर निगम की ओर से दावा किया गया है कि लगातार अभियान चलाकर गोवंश को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जा रहा है और यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। वहीं नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि गोशालाओं की क्षमता बढ़ाई जाए और नियमित निगरानी व्यवस्था लागू की जाए।

एसटी बेड़े में शामिल होंगी 8,300 नई बसें

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार ने घाटे से जूझ रहे राज्य परिवहन महामंडल (एसटी) को फिर से खड़ा करने का फैसला किया है। ग्रामीण अंचलों की जीवन रेखा माने जाने वाले एसटी महामंडल के लाल परी के बेड़े में इस साल 8,300 नई बसें शामिल की जाएंगी। यह घोषणा गुरुवार को परिवहन मंत्री व एसटी महामंडल के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक ने की। मंत्री सरनाईक ने बताया कि एसटी महामंडल वित्तीय दबाव में है और रोजाना 1 से 1.5 करोड़ रुपये के घाटे का सामना कर रहा है। अगर बसों की संख्या बढ़ेगी, तो यात्रियों की संख्या बढ़ेगी। अगर यात्रियों की संख्या बढ़ेगी, तो आय में अपने आप बढ़ोतरी होगी। कोरोना महामारी से पहले एसटी के पास 18 से 19 हजार बसें थीं। हर दिन लगभग 66 लाख यात्री एसटी बसों से सफर करते थे। लेकिन महामारी और कर्मचारियों की लंबी हड़ताल के कारण पिछले चार-पांच वर्षों में बसों की खरीदारी रुक गई है।

न्यूज IN ब्रीफ

नए लोको पायलट को इंजन में आग से बचाव का मिला प्रशिक्षण

जमशेदपुर : टाटानगर रेलवे सिविल डिफेंस द्वारा रेलवे की नई बहाली से आए दर्जनों लोको पायलट को इंजन और कोच में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने से बचाव का प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही सहायक लोको पायलट और रिफ्रेशर लोको पायलटो के लिए इलेक्ट्रिक लोको पायलट ट्रेनिंग सेंटर में कार्यक्रम आयोजित हुआ था। सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर संतोष कुमार ने नए लोको पायलट को फर्स्ट एड सीपीआर देने और रेस्क्यू का भी प्रशिक्षण दिया गया ताकि आपदा के समय सहायता पहुंचाने तक लोको पायलट यात्रियों या अन्य रेल कर्मचारियों की मदद कर सके। सिविल डिफेंस के सदस्यों ने नए लोको पायलट को इंजन में उपलब्ध अग्निशामक संयंत्र का इस्तेमाल करने का भी प्रशिक्षण दिया।

295 बच्चों ने खाई फाइलेरिया रोधी दवाई

जमशेदपुर : स्वास्थ्य विभाग और सहयोगी संस्थाओं के साझा प्रयासों से जिला के विभिन्न प्रखंडों में फाइलेरिया की दवाई खिलाई जा रही है। घाटशिला प्रखंड के बड़ाजुड़ी पंचायत के बड़ाजुड़ी स्थित भारत सेवाश्रम संघ में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान गुरुवर को चाया गया। इसके तहत एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आश्रम के कुल 295 बच्चों को फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन कराया गया।दवा सेवन के साथ-साथ उपस्थित बच्चों और शिक्षकों को फाइलेरिया (हाथीपांव) जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक किया गया। स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि फाइलेरिया मच्छरों के काटने से फैलने वाली एक लाइलाज बीमारी है, लेकिन समय पर दवा का सेवन कर इससे पूरी तरह बचा जा सकता है।

आपदा प्रबंधन पर 5 मार्च से चलेगा प्रशिक्षण

जमशेदपुर : छह दिवसीय सुरक्षा प्राथमिक सहायता एवं आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। रेड क्रॉस भवन में 6 दिनों तक एस शिविर आयोजित होगा। इसमें दूसरे शहरों के ट्रेनिंग और कॉरपोरेट भी अपना निबंध कर सकते हैं। इसके लिए मोबाइल नंबर भी जारी कर दिया गया है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसमें अपना निबंध करा सकें।

22 को होगा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन का चुनाव

जमशेदपुर : इंडियन मेडिकल एसोसिएशन का चुनाव 22 फरवरी को होगा। इसके लिए तैयारी लगभग पूरी हो गई हैं। दोनों गुट के नेता विभिन्न डॉक्टर से जा-जाकर मिल रहे हैं और अपने पक्ष में मतदान देने की अपील कर रहे हैं। सत्ता पक्ष वाले लोगों का कहना है कि उन लोगों ने अपने कार्यकाल में काफी काम किया है इसलिए उन्होंने दोबारा चुनकर आना चाहिए। जबकि विरोधी गुटों का कहना है कि सत्ता पक्ष में लंबे समय से रहने के बावजूद डॉक्टरों की हित में कोई काम नहीं किया है इसलिए अब नए गुट को मौका मिलना चाहिए।

दिन में बढ़ी गर्मी, 32.5 डिग्री पर पहुंचा अधिकतम तापमान

जमशेदपुर : एक सप्ताह में तापमान में तेजी से वृद्धि हुई है और जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 32.5 डिग्री पर पहुंच गया है। दिन में कड़ी धूप होने के कारण तापमान में लगातार वृद्धि होती जा रही है। वहीं दिन में ज्यादा दे दो बर्दाश्त नहीं हो रही है। सुबह और रात के तापमान में भी वृद्धि हुई है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि अगले 10 दिन में अधिकतम तापमान एक से दो डिग्री और बढ़ जाएगा।

रेललाइन से बरामद शव की 48 घंटे बाद भी नहीं हुई पहचान

जमशेदपुर : जुगसलाई स्थित रेल लाइन से मंगलवार रात अज्ञात युवक का शव मिलने के बाद उसकी पहचान 48 घंटे तक नहीं हो सकी। इसलिए पुलिस ने शव को एमजीएम कॉलेज के शीतगृह में शनिवार तक सुरक्षित रखने का निर्णय लिया है। मृतक की शिनाख्त के लिए जुगसलाई और बागबेड़ा पुलिस से संपर्क किया जा रहा है, लेकिन किसी थाने में गुमशुदगी की पुष्टि नहीं हुई। इससे जमशेदपुर के अन्य थानों में शव की फोटो भेजकर पहचान में मदद मांगया गया है। आरपीएफ व जीआरपी के अनुसार, युवक की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई है लेकिन घटनास्थल पर एकत्र लोगों ने हत्या करने के बाद शव को लाइन पर रखने की संभावना जताई क्योंकि, लाइन से पांच मीटर दूर तक खून का निशान मिला है।

कोडरमा में मानसिक रूप से अस्वस्थ युवक पर हमला

कोडरमा : जिले के मरकच्चो थाना क्षेत्र के नावाडीह गांव में भी एक युवक को बच्चा चोर समझकर पीट दिया गया। ग्रामीणों ने उसे संदिग्ध मानकर पकड़ लिया और मारपीट शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार युवक मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रतीत होता है। जांच में बच्चा चोरी से जुड़ा कोई सबूत नहीं मिला।

रांची में महिला समेत तीन की पिटाई

रांची: बरियातू थाना क्षेत्र के एदलहातू में गुरुवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे हंगामा मच गया। तीन साल के एक बच्चे को टोटो में ले जाते देख ग्रामीणों ने महिला, टोटो चालक और एक अन्य युवक को पकड़ लिया। बच्चा चोरी के शक में तीनों की पिटाई कर दी गई।पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों को बचाया। महिला ने बताया कि वह गुमला की रहने वाली है और अपने बेटी-दामाद से मिलने आई थी। उसके मुताबिक बच्चा पहले से टोटो में बैठा हुआ था। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

ग्रिजली कॉलेज के प्रशिक्षुओं ने नालन्दा एवं राजगीर का किया शैक्षणिक भ्रमण

कोडरमा : ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन के बी॰ एड॰ सत्र 2024- 26 के प्रशिक्षुओं ने बिहार प्रदेश के नालन्दा और राजगीर का सफल शैक्षणिक भ्रमण किया। महाविद्यालय के सचिव अविनाश कुमार सेठ ने हरी झंडी दिखाकर सभी बसों को रवाना किए। प्रशिक्षुओं ने बिहार राज्य के राजगीर में जंगल सफारी का आनंद लेते हुए वहां के प्राकृतिक सौंदर्य एवं विभिन्न वन्य प्राणियों की जानकारी प्राप्त की और नालन्दा में प्राचीन नालन्दा विश्वविद्यालय खंडहर का भ्रमण कर उक्त स्थल के सामाजिक एवं शैक्षणिक स्थितियों के ऐतिहासिक पहलुओं से गाइड द्वारा विस्तृत रूप से अवगत कराया गया। सभी प्रशिक्षु ऐतिहासिक स्थल के भ्रमण द्वारा भारतीय विरासत और धरोहर को संजोए रखने हेतु संकल्पित हुए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण का मूल उद्देश्य प्रशिक्षुओं को प्राचीन ऐतिहासिक स्थलों की महत्ता से अवगत करवाना होता है।

भाजपा नेता अभय सिंह ने विजय सिंह गागराई के पक्ष में चलाया जनसंपर्क अभियान

संवाददाता

चक्रधरपुर : भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अभय सिंह ने नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर भाजपा पार्टी प्रत्याशी विजय सिंह गागराई के समर्थन में जनसंपर्क करते हुए मतदाताओं से उन्हें भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि विकास, पारदर्शिता और जनसेवा की भावना को आगे बढ़ाने के लिए सक्षम और कर्मठ नेतृत्व का चयन आवश्यक है, और विजय सिंह गागराई इस कसौटी पर पूर्णतः खरे उतरते हैं।उन्होंने चक्रधरपुर में चूड़ी छाप पर भाजपा समर्थित प्रत्याशी श्री विजय सिंह गगराई जी को वोट देने की अपील किया हमने कहा प्रशासन निष्पक्ष एवं लोकतंत्र का पालन करे प्रत्याशी जो धमकी देने वाले के ऊपर कानूनी कार्रवाई करें अन्यथा राष्ट्रवादी शक्तियों का सामना करना पड़ेगा। यहां के स्थानीय विधायक के पुत्र हमारे प्रत्याशी के विरुद्ध खड़े है ।सरकारी दल के लोगों द्वारा हमारे प्रत्याशी की धमकी देनेवाले को सावधान करता हूं। किसी प्रकार की गलतियां नहीं करे अन्यथा भाजपा को मैदान में उतरना पड़ेगा। इस अवसर पर प्रत्याशी विजय सिंह गागराई स्वयं भी उपस्थित रहे और उन्होंने क्षेत्र की जनता से संवाद स्थापित कर अपनी प्राथमिकताओं से अवगत कराया। सभी नेताओं ने एकजुट होकर पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने का आह्वान किया तथा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष मालती गिलुवा, जिलाध्यक्ष दीपक पासवान, नगर अध्यक्ष अनूप दूबे, संजय मिश्रा, दीपक सिंह, विमला देवी, उमाशंकर गिरि तथा पूजा गिरि सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित थे।

मो. नसीम अंसारी ने वार्ड 01 में जनसंपर्क किया

मेट्रो रेज संवाददाता

डोमचांच : डोमचांच नगर पंचायत के वार्ड संख्या 01 में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। वार्ड 01 से पार्षद प्रत्याशी मो. नसीम अंसारी ने व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाकर मतदाताओं से सीधा संवाद स्थापित किया। उन्होंने घर- घर पहुंचकर क्षेत्र की समस्याओं को सुना और भ्रष्टाचार मुक्त, पारदर्शी तथा समग्र विकास का भरोसा दिलाया। मो. नसीम अंसारी ने वार्डवासियों से अपील करते हुए कहा कि यदि उन्हें अवसर दिया गया तो वे वार्ड 01 को साफ-सुथरा, सुरक्षित और बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित बनाएंगे। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यह उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने मतदाताओं से वैलेट पेपर क्रम संख्या 03, बल्ला छाप पर मतदान कर भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। जनसंपर्क के दौरान लोगों में उत्साह देखा गया और कई स्थानों पर उन्हें समर्थन का आश्वासन मिला। नसीम अंसारी ने दावा किया कि वार्ड 01 की जनता बदलाव चाहती है और उन्हें भरपूर समर्थन मिल रहा है।

सुरेश कुमार साव भाजपा और संगठन के लिए हमेशा रहे हैं समर्पित

संवाददाता

चक्रधरपुर : भारतीय जनता पार्टी के वरीय नेता एवं मोदी कार्यालय के संचालक सुरेश कुमार साव भारतीय जनता पार्टी के प्रति हमेशा समर्पित और पार्टी हित के लिए सदैव जुड़े रहे हैं वर्तमान समय में नगर परिषद चुनाव के समय उनके द्वारा भाजपा समर्थित पार्टी के उम्मीदवार डॉ विजय सिंह गागराई के लिए पूरे नगर परिषद क्षेत्र में व्यापक रूप से परिभ्रमण करने के साथ-साथ लोगों से श्री घाघराई को जिताने की अपील के साथ-साथ नगर परिषदअध्यक्ष के जीत के लिए दिन-रात जुटे हुए हैं सुरेश कुमार साव चक्रधरपुर जिला के अध्यक्ष बनने वाले दीपक पासवान के लिए भी किंग मेकर की भूमिका में रहे वही चक्रधरपुर नगर अध्यक्ष के रूप में अनूप कुमार दुबे को संगठन का दायित्व दिलाने में भी उनके यहां भूमिका रही वहीं वर्तमान समय में भाजपा समर्थित प्रत्याशी डॉक्टर विजय सिंह गागराई को पार्टी में लाने के लिए जिला अध्यक्ष नगर अध्यक्ष के अलावे अन्य भारी नेताओं से भी इस और ध्यान आकृष कराया गया कि श्री गागरे के भाजपा में शामिल होने पर पार्टी और संगठन दोनों काफी मजबूत होंगे और इसका लाभ निश्चित तौर पर पार्टी को मिलेगा डॉक्टर दवाई भाजपा में शामिल हुई तत्पश्चात 30 जनवरी को विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा सहित अन्य पार्टी के दिग्गज नेताओं के समक्ष डॉ विजय

सिंह गागराई भाजपा में शामिल हुए और 2 फरवरी को उन्होंने अपना नामांकन किया भाजपा समर्थित उम्मीदवार के रूप में उनकी स्थिति दमदार मानी जा रही है वहीं सुरेश कुमार साव का कहना है कि 23 फरवरी को होने वाले अध्यक्ष पद के चुनाव में शहर वासी ने ठाना है डॉ विजय सिंह गागराई को जिताना है श्री श्याम ने नगर परिषद अध्यक्ष पद के प्रत्याशी के लिए निरंतर पूरे क्षेत्र में परिभ्रमण कर भाजपा की स्थिति को सुदृढबनाने में जुटे हैं और उनका मानना है कि पार्टी समर्पित उम्मीदवार श्री गागराई की स्थिति काफी मजबूत और बेहतर है।

देवघर में 50 लाख से ज्यादा का ब्राउन शुगर जब्त, तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता

देवघर : शहर में नशे के खिलाफ चल रही कार्रवाई के बीच गुरुवार को पुलिस ने एक युवक को ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि गुप्त सूचना मिलने के बाद सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में टीम ने छापेमारी की और मौके से 317 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद किए। जब्त नशीले पदार्थ का वजन करीब 130 ग्राम बताया गया है।

पकड़े गए युवक की पहचान अजय मार्डी (लगभग 26 वर्ष) के रूप में हुई है, जो पश्चिम बंगाल के आसनसोल क्षेत्र का रहने वाला बताया जा रहा है। पुलिस ने उसके पास से एक मोबाइल फोन, 1190 रुपये नकद, बैग और कुछ अन्य सामान भी जब्त किए हैं। जब्त किए गए अफीम की कीमत लगभग 50 लाख बताई जा रही है।

सूत्रों की मानें तो युवक यहां ब्राउन शुगर की सप्लाई करने की फिराक में था। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है और यह जानने की कोशिश की जा रही है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग जुड़े हैं।

गौरतलब है कि देवघर में नशे के कारोबार को देखते हुए पुलिस की तरफ से लोगों से अपील की जा रही है कि नशे के कारोबार पर नियंत्रण करने के लिए पुलिस के संपर्क में रहें। एसपी की तरफ से लोगों से अपील की गई है कि संदेहास्पद लोगों पर विशेष नजर रखें ताकि देवघर को नशामुक्त किया जा सके।

पुलिस ने शहरवासियों से अपील की है कि नशे के कारोबार से जुड़ी किसी भी जानकारी को छुपाएं नहीं और तुरंत सूचना दें। युवाओं से भी खास तौर पर कहा गया है कि वे नशे से दूरी बनाए रखें।

डोमचांच नगर पंचायत चुनाव

भाजपा समर्थित उमेश ने जारी किया घोषणा पत्र

मेट्रो रेज संवाददाता

डोमचांच : नगर पंचायत डोमचांच के अध्यक्ष पद के भाजपा समर्थित प्रत्याशी उमेश कुमार ने अपने चुनावी घोषणा पत्र का विधिवत विमोचन किया। इस अवसर पर भाजपा के जिला अध्यक्ष अनूप जोशी, चुनाव प्रभारी लक्ष्मण नायक, प्रखंड प्रमुख सत्यनारायण यादव, वरिष्ठ भाजपा नेता अखिल कुमार सिन्हा, परमेश्वर यादव, मीडिया प्रभारी सुनील कुमार सिन्हा, पूर्व जिला मंत्री महेंद्र यादव, मंडल अध्यक्ष सुजीत कुमार, महिला मोर्चा की पूर्व जिलाध्यक्ष संगीता सिन्हा, कामिनी देवी, महेश वर्मा सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। घोषणा पत्र जारी करते हुए उमेश कुमार ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य डोमचांच नगर पंचायत को पारदर्शी, स्वच्छ और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देना है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि नगरवासियों की मूलभूत समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी जाएगी तथा विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। घोषणा पत्र में प्रमुख रूप से होल्डिंग टैक्स में राहत देने का वादा किया गया है, ताकि आम नागरिकों पर आर्थिक बोझ कम हो सके। इसके साथ ही नगर पंचायत को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने, खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के लिए खेल मैदानों एवं संसाधनों का विकास, युवाओं के लिए डिजिटल शिक्षा की व्यवस्था, सार्वजनिक स्थानों पर फ्री वाई-फाई सुविधा उपलब्ध कराने तथा प्रत्येक वार्ड में लाइब्रेरी स्थापित करने का संकल्प लिया गया है। महिला सशक्तिकरण को भी घोषणा पत्र में विशेष स्थान दिया गया है। महिलाओं के लिए स्वरोजगार एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने, सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करने की बात कही गई है। इसके अतिरिक्त गौशाला निर्माण, स्वच्छ पेयजल, सड़क-नाली व्यवस्था में सुधार, नियमित सफाई व्यवस्था तथा अन्य बुनियादी नागरिक सुविधाओं के विस्तार का भी उल्लेख किया गया है। मौके पर उपस्थित भाजपा नेताओं ने कहा कि उमेश कुमार का घोषणा पत्र जनहित एवं विकास की स्पष्ट रूपरेखा प्रस्तुत करता है। उन्होंने कार्यकताओं से घर-घर जाकर घोषणा पत्र की जानकारी देने और अधिक से अधिक समर्थन जुटाने का आह्वान किया। अंत में उमेश कुमार ने नगरवासियों से समर्थन की अपील करते हुए कहा कि यदि उन्हें सेवा का अवसर मिला तो वे डोमचांच को विकास के नए आयाम तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

वार्ड 09 में मुकेश गोस्वामी ने किया जनसंपर्क

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : डोमचांच नगर पंचायत के वार्ड 09 में चुनावी माहौल गरमा गया है। पार्षद प्रत्याशी मुकेश गोस्वामी ने व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाकर मतदाताओं से समर्थन की अपील की। उन्होंने घर- घर पहुंचकर लोगों की कई समस्याएं सुनीं और वार्ड को भ्रष्टाचार मुक्त बनाकर समग्र विकास करने का भरोसा दिलाया। मुकेश गोस्वामी ने मतदाताओं से वैलेट पेपर क्रम संख्या 7 पर मोहर लगाकर भारी मतों से विजयी बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वार्ड में नल-जल योजना को सुदृढ़ किया जाएगा, नियमित साफ- सफाई, नाली सफाई, ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव और फोगिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, ताकि स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाया जा सके। उन्होंने आश्वासन दिया कि शासन-प्रशासन तक मजबूत पकड़ के साथ वार्ड की हर समस्या का समाधान कराया जाएगा और सभी सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पारदर्शी एवं निःशुल्क पहुंचाया जाएगा। स्वयं को अनुभवी और 24 घंटे जनता की सेवा के लिए तत्पर बताते हुए उन्होंने कहा कि अब समय ईमानदार नेतृत्व चुनने का है। वार्ड 09 में विकास की नई इबारत लिखने के लिए जनता का आशीर्वाद जरूरी है।

धनबाद में बच्चा चोरी के शक में किन्नर की पिटाई, पुलिस ने भीड़ से बचाया

संवाददाता

धनबाद : बैंक मोड़ थाना इलाके में बच्चा चोरी की अफवाहों ने एक बार फिर कानून-व्यवस्था को चुनौती दी है। मटकुरिया श्मशान घाट के पास लोगों ने बच्चा चोर होने के शक में एक महिला की पिटाई कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को भीड़ से छुड़ाकर थाने ले आई।

धनबाद के बैंक मोड़ थाना इलाके में मटकुरिया श्मशान घाट से थोड़ी दूरी पर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब कुछ लोगों ने बच्चा चोर होने के शक में एक महिला को पकड़ लिया। देखते ही देखते भीड़ जमा हो गई और महिला के साथ मारपीट शुरू कर दी।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि महिला भेष बदलकर बच्चे चुराने के इरादे से इलाके में घूम रही थी। इसी बीच किसी ने

बैंक मोड़ थाने में घटना की सूचना दे दी। सूचना मिलने पर पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और महिला को भीड़ से छुड़ाकर थाने ले आई।

पूछताछ में महिला ने पुलिस को बताया कि वह एक किन्नर है और लोगों से भीख मांगकर अपना गुजारा करती है। इस मामले के बारे में बैंक मोड़ थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि पुलिस को जानकारी मिली थी कि लोगों ने एक बच्चा चोर को पकड़ रखा है। मौके पर पहुंचकर पुलिस उसे सुरक्षित थाने ले आई। जांच के दौरान उसके पास से कोई आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं हुआ।

थाना प्रभारी ने साफ कहा कि लोग बच्चा चोरी की बेबुनियाद अफवाहें फैलाने से बचें। उन्होंने चेतावनी दी कि अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सोशल मीडिया पर भी कड़ी नजर रख रही है और बच्चा चोरी की जुड़ी झूठी खबरें फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध स्थिति में कानून अपने हाथ में लेने के बजाय तुरंत पुलिस को सूचना दें।